मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 97
शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बिहार मतदाता सूचीः सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को त्रुटियां सुधारने का दिया निर्देश, 4 नवंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के बहुचर्चित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से उत्पन्न कानूनी मुद्दों पर सुनवाई के लिए 4 नवंबर की तारीख तय की। कार्यवाही के दौरान, चुनाव आयोग ने अदालत को सूचित किया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत तैयार अंतिम मतदाता सूची में किसी भी मतदाता का नाम हटाए जाने के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई है।

पीठ ने आगे कहा कि एक ज़िम्मेदार संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते, चुनाव आयोग से अपेक्षा की जाती है कि वह बिहार मतदाता सूची में मुद्रण संबंधी त्रुटियों और अन्य गलतियों की जाँच करे और उन्हें दूर करे। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि उसे उम्मीद है कि आगामी चुनावों से पहले, चुनाव आयोग मतदाता सूची की सटीकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय करेगा। इससे पहले की सुनवाई में, अदालत ने चुनाव आयोग को एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने पीठ को बताया कि नए जोड़े गए ज्यादातर नाम पहली बार मतदाता बने लोगों के हैं और जिनके नाम हटाए गए थे, उनमें से किसी ने भी अब तक कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची से पता चला है कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद बिहार में मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 47 लाख घटकर 7.89 करोड़ से 7.42 करोड़ हो गई। हालाँकि, अंतिम आंकड़े 1 अगस्त को जारी मसौदा सूची से 17.87 लाख मतदाताओं की वृद्धि भी दशार्ते हैं, जिसमें मृत्यु, प्रवास या दोहराव के कारण 65 लाख नाम हटाए गए थे।

दिल्ली सरकार शहर को भारत की रचनात्मक राजधानी बनाने के लिए काम कर रही: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार, शहर को देश की रचनात्मक राजधानी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और लाखों दर्शकों की क्षमता वाले वृहद आयोजन स्थलों के विकास की योजना पर काम जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अगले 70 दिनों में, 30 प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी रैपर ट्रैविस स्कॉट और गायक एकॉन अगले कुछ महीनों में दिल्ली में प्रस्तुति देंगे।

उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के दिसंबर में दिल्ली दौरे को लेकर बातचीत चल रही है। गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार दिल्ली को रचनात्मक राजधानी और आयोजनों के अनुकूल शहर बनाने को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले कार्यक्रम स्थल विकसित करेंगे, जिनकी क्षमता लाखों दर्शकों की होगी।

लाइव मनोरंजन उद्योग में दिल्ली की हिस्सेदारी 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये की है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि भारत आने वाला कोई भी विदेशी दिल्ली भी आए। हम आयोजनकताओं को आयोजन से जुड़ी सामग्री, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा प्रदान करेंगे।

अरुणाचल प्रदेश सड़क संपर्क में ऐतिहासिक परिवर्तन का गवाह बन रहा है: खांडू

अरुणाचल प्रदेश, 16 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संपर्क और बुनियादी ढांचा विकास की दिशा में राज्य एक ऐतिहासिक परिवर्तन का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के पेमा 3.0- सुधार और विकास वर्ष पहल के तहत सड़क और पुल निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गयी है।

सोशल मीडिया पर प्रगति को साझा करते हुए खांडू ने कहा कि राज्य में ग्रामीण सड़कों में 251 प्रतिशत विकास दर्ज किया गया और 3,750 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है जो बेहतर संपर्क के माध्यम से समावेशी विकास के बारे में सरकार के मजबूत दृष्टिकोण को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अरुणाचल प्रदेश संपर्क में एक नया अध्याय लिख रहा है। अथक प्रयासों और दूरदर्शी योजना के साथ हमने राज्य के कोने-कोने तक भी सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने सीमांत राजमार्गों के निर्माण के लिए 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मंजूर की है जिससे राज्य के सीमांत क्षेत्रों में अंतर-जिला संपर्क, सीमा क्षेत्र विकास और पर्यटन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। खांडू ने जोर देकर कहा, सीमावर्ती इलाकों पर रहने वाले हमारे लोग अब खुद को अलग-थलग महसूस नहीं करेंगे। सीमांत राजमार्ग न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेंगे, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए व्यापक अवसर भी खोलेंगे।

धनतेरस : खुलेगा मां अन्नपूर्णा का खजाना अन्नपूर्णेश्वरी करेगी समृद्धि की वर्षा

सुरेश गांधी

वाराणसी। धनतेरस का पर्व काशी में केवल दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि अन्न, धन और समृद्धि की देवी मां अन्नपूर्णा के कृपाकुंभ से छलकने वाला पावन क्षण है। इस दिन मां के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन मात्र से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की धार बहने लगती है। हर वर्ष की भांति इस बार भी बांसफाटक स्थित श्री काशी अन्नपूर्णा मंदिर में महापूजन और खजाना दर्शन की दिव्य तैयारी पूर्ण हो चुकी है। मां के दरबार में धनतेरस की भोर एक ऐसे आध्यात्मिक आलोक से उजलेगी, जो भक्तों के कोष और कलेजे दोनों को भर देगी।

भोर की मंगल बेला में आरंभ होगा पूजन महंत शंकर पुरी जी ने बताया कि इस वर्ष धनतेरस अत्यंत शुभ योग में पड़ रहा है। भोर 3 बजे से पौने 5 बजे तक सविधि पूजन किया जाएगा। जैसे ही अभिजीत मुहूर्त का क्षण आएगा, मां की आरती और खजाने की पूजा होगी। इसके बाद सुबह 5 बजे से मंदिर के द्वार भक्तों के लिए खुल जाएंगे। मान्यता है कि इस बेला में मां का ध्यान और पूजन करने से सात पीढ़ियों तक अन्न और धन की कमी नहीं रहती।

खजाने के दर्शन और लावा वितरण मां अन्नपूर्णा के प्रथम तल पर स्थित स्वर्णमयी विग्रह के समक्ष इस बार भक्तों को एक विशेष सौभाग्य प्राप्त होगा – मां के खजाने और लावा का वितरण। यह वही क्षण होता है जब श्रद्धालु अपने जीवन में ह्यअन्नपूर्णा कृपाह्न का आशीर्वाद

लेकर लौटते हैं। मंदिर परिसर में मां भूमि देवी, लक्ष्मी जी और रजत महादेव की भी भव्य झांकी सजेगी।

भक्तों के लिए सुगम दर्शन की व्यवस्था मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए सुचारु प्रवेश मार्ग बनाया है। भक्त बांसफाटक झ कोतवालपुरा झ ढूढीराज गणेश मार्ग से मंदिर में प्रवेश करेंगे और अस्थायी सीढ़ियों से प्रथम तल तक पहुंचेंगे। दर्शन के बाद निकास मार्ग राम मंदिर परिसर झ कालिका गली से रहेगा। वृद्ध और दिव्यांग भक्तों के लिए अलग से सुगम दर्शन पथ तैयार किया गया है। मंदिर परिसर में दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे, मेडिकल टीम, वालंटियर दल और सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे।

दर्शन का समय और विशेष अवसर स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा का दर्शन प्रतिदिन भोर 4 बजे से रात 11 बजे तक रहेगा। वीआईपी दर्शन समय शाम 5 से 7 बजे तक होगा। पूरे पांच दिन तक चलने वाले इस उत्सव में लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। संतों की उपस्थिति और आशीर्वचन इस अवसर पर हरिद्वार नीलकंठ से पधारे शिवानंद गिरी, प्रदीप श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सिंह, राकेश तोमर, अभिषेक शर्मा सहित अनेक संत और मंदिर परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।महंत शंकर पुरी ने कहा ह्यधनतेरस पर मां अन्नपूर्णा की आराधना अन्न और सौभाग्य का शाश्वत प्रतीक है। इस बार का योग भारत भूमि को धन, धान्य और देवत्व से परिपूर्ण करेगा।

जुबिन की मौत के मामले में सिंगापुर पुलिस 21 अक्टूबर को असम पुलिस टीम से मुलाकात करेगी: हिमंत

असम, 16 अक्टूबर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले महीने गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच के सिलसिले में राज्य की एक पुलिस टीम 20 अक्टूबर को सिंगापुर जाएगी और अगले दिन वहां के पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करेगी। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, हमारे प्यारे जुबिन के लिए न्याय की दिशा में एक और कदम।

सिंगापुर पुलिस के अधिकारी 21 अक्टूबर को विशेष पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) और विशेष जांच दल (एसआईटी) प्रमुख मुन्ना गुप्ता के नेतृत्व वाली असम पुलिस टीम से मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संशोधित पोस्ट में कहा कि असम पुलिस टीम 20 अक्टूबर को सिंगापुर जायेगी। शर्मा ने कहा, हमारा सामूहिक संकल्प बरकरार है, जुबिन को न्याय मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को भारत में सिंगापुर की कार्यवाहक उच्चायुक्त एलिस चेंग और विदेश मंत्री एस जयशंकर से नयी दिल्ली में मुलाकात की और उनसे सिंगापुर में जुबिन गर्ग की मौत की जांच को आगे बढ़ाने के लिए राज्य पुलिस को पूरा सहयोग देने का आग्रह किया।

शर्मा ने चेंग से आग्रह किया था कि वह असम पुलिस को सिंगापुर का पूरा सहयोग दें, ताकि हम जुबिन गर्ग के लिए न्याय सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों को साकार कर सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया गया है।

इससे पहले, सिंगापुर के अधिकारियों ने भारतीय उच्चायोग के माध्यम से एक ईमेल भेजा था, जिसमें गायक की मौत के सिलसिले में असम पुलिस अधिकारियों के द्वीप राष्ट्र का दौरा करने के उनके एजेंडे के बारे में जानकारी मांगी गई थी, और एसआईटी ने पहले ही ऑनलाइन संचार का जवाब भेज दिया था। सिंगापुर के अधिकारियों को पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) लागू करने का अनुरोध भी प्राप्त हुआ है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन से द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसर तलाशने सहित अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की।

बैठक के दौरान ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो भी मौजूद थे। भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने नयी दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ बैठक की।

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस- 17 अक्टूबर, 2025

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

-ललित गर्ग

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम ह्यपरिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करनाह्व है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है। अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोजगार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो। आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-ह्यगरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने। जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा? गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए अन्त्योदय एवं सर्वोदय की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। गरीबी हटाओ में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों गरीब देश, आखिर रोकनी पड़ी दादागिरी

अशोक भाटिया

ज्ञात हो कि अफगान सेना ने 11 अक्टूबर की रात पाकिस्तान की सीमा में घुसकर सात इलाकों में भारी हथियारों से हमला किया था . अफगानिस्तान का दावा था कि इस कार्रवाई में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 5 को हिरासत में लिया गया. अफगान सैनिकों ने पाकिस्तानी हथियार भी जब्त किए और एक सैनिक का शव अपने साथ ले गए. वहीं जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी मोर्चा संभाला, जिससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक गोलीबारी चली. ऐसे में समझने की बात यह है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों गरीब देश है ऐसे में अफगानिस्तानी लड़ाकों के पास ऐसे कौन से हथियार हैं और वो पाकिस्तानी आर्मी के सामने कितने दिन टिक पाएगा.

दरअसल यह सवाल इस कारण भी उठता है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों ही दक्षिण एशिया के ऐसे देश हैं जो लंबे समय से गरीबी, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की मार झेल रहे हैं. दोनों देशों की सीमाएं एक-दूसरे से जुड़ी हैं और दोनों पर ही पिछले कुछ दशकों में कई बाहरी ताकतों का असर पड़ा है. जहां पाकिस्तान 1947 से एक स्वतंत्र देश के रूप में अपनी सरकारें बनाता-बिगाड़ता रहा है, वहीं अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी फौजों को बाहर निकालने के बाद तालिबान ने सत्ता पर कब्जा जमाया और इस्लामी अमीरात की सरकार बनाई.

अफगानिस्तान इस समय तालिबान के शासन में है. 2022 में तालिबानी सरकार ने 1 लाख 10 हजार सैनिकों की एक नेशनल फोर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा था, जो अब करीब 2 लाख तक पहुंच चुकी है. ये लड़ाके खासतौर पर पहाड़ी इलाकों और कठिन परिस्थितियों में लड़ने के लिए प्रशिक्षित हैं. गोरिल्ला युद्ध में ये माहिर हैं, यानी आम फौज की तरह नहीं, बल्कि अचानक हमले, छिपकर वार करने और तेज मूवमेंट की रणनीति अपनाने में माहिर हैं.

अफगानिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी तकनीकी कमी है. तालिबान के पास अपना कोई आधुनिक हथियार उत्पादन तंत्र नहीं है. उनके पास जो हथियार हैं, वो या तो अमेरिका से छोड़े गए हैं, या फिर रूस और सोवियत दौर के पुराने हथियारों से मिले हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगान सेना के पास सैकड़ों अमेरिकी और रूसी टैंक हैं, साथ ही कुछ पुराने बख्तरबंद वाहन भी मौजूद हैं.

अफगानिस्तान के पास कोई सक्रिय फाइटर जेट नहीं है. 2016 से 2018 के बीच अमेरिका ने उसे अ-29 र४स्त्री१ ळ४ूंल्लङ्क नाम के हल्के अटैक एयरक्राफ्ट दिए थे, जिनकी संख्या लगभग 26 बताई जाती है. इनके पास कुछ अमेरिकी हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी हैं, लेकिन ये बहुत सीमित स्तर पर काम करते हैं. अगर बात आसमान की जंग की हो, तो अफगानिस्तान की ताकत बहुत सीमित मानी जाती है.

मिसाइल ताकत के मामले में भी अफगानिस्तान पीछे है. उनके पास सोवियत जमाने की पुरानी बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो अब तकनीकी रूप से अप्रभावी मानी जाती हैं. कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तालिबान ने हाल के वर्षों में कुछ नए मिसाइल सिस्टम खरीदे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस देश से आए हैं. अफगानिस्तान के पास कोई आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम नहीं है, केवल कुछ शॉर्ट-रेंज एंटी-एयरक्राफ्ट गन और रॉकेट लॉन्चर हैं. हालांकि रूस की मदद से तालीबान अपने एयर डिफेंस को सुधारने की कोशिश कर रहा था.

उधर पाकिस्तान भले ही 75 साल से एक स्थापित देश हो, लेकिन वहां भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं. बार-बार तख्तापलट, सियासी खींचतान, आतंकवाद और बढ़ते कर्ज ने देश की कमर तोड़ दी है. इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) से लगातार मदद मांगने वाला पाकिस्तान अब आर्थिक संकट के सबसे निचले दौर में पहुंच चुका है.

जमीन पर लड़ाई की बात करें तो अफगानिस्तान के तालिबानी लड़ाके अपनी गोरिल्ला रणनीति से दुश्मन पर भारी पड़ सकते हैं. लेकिन अगर युद्ध हवाई स्तर पर पहुंचा, तो पाकिस्तान को बढ़त मिल सकती है, क्योंकि उसके पास आधुनिक फाइटर जेट और मिसाइलें हैं. फिलहाल दोनों देशों के पास युद्ध का खर्च उठाने की हालत नहीं है, लेकिन अगर संघर्ष और तनाव बढ़ता है, तो यह टकराव पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

आखिरकार हाल फिलहाल दोनों गरीब देश पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच कई दिनों तक चली हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्ष 48 घंटे के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं. यह युद्धविराम बुधवार शाम को 6 बजे से लागू हुआ है। इसके पहले कई दिनों तक चली जमीनी और हवाई लड़ाई में दोनों पक्षों की तरफ से दर्जनों लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह हिंसा का सबसे बुरा दौर था। युद्धविराम के पहले बुधवार को दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई। इस बीच यह सवाल बना हुआ है कि ताजा युद्धविराम कितने दिनों तक चल पाएगा? पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस युद्धविराम की घोषणा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य शत्रुता को कम करना और अस्थिर सीमा पर हाल ही में भड़की लड़ाई के बाद बातचीत का रास्ता खोलना है। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने पर सहमत हुए हैं। इस्लामाबाद ने जटिल लेकिन समाधान योग्य बताया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि काबुल ने अपनी सेनाओं को युद्धविराम का पालन करने का निर्देश दिया है, लेकिन इसके लिए पाकिस्तान को आक्रामकता से दूर रहना होगा। जबीहुल्लाह ने बताया कि युद्धविराम के लिए पाकिस्तानी पक्ष ने ही आग्रह किया था। तालिबान प्रशासन ने बताया कि बुधवार सुबह पाकिस्तान की वायु सेना ने कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 12 नागरिक मारे गए। इस हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में घरों को नुकसान हुआ है। जैसा पहले बताया कि संघर्ष की शुरुआत पिछले सप्ताह काबुल पर पाकिस्तान के हवाई हमले के साथ हुई, जिसमें कथित तौर पर टीटीपी चीफ नूर वली महसूद को निशाना बनाने की बात कही गई। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के सदस्य सीमा पार सुरक्षित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। हालांकि, अफगान तालिबान ने इन आरोपों से लगातार इनकार किया है और आतंकवाद को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताया है। तालिबान ने पाकिस्तान पर गलत सूचना फैलाने, तनाव भड़काने और अफगानिस्तान को अस्थिर करने के लिए क्क्क्र से जुड़े आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी सेना इन आरोपों से इनकार करती है।

अफगान तालिबान के साथ ताजा टकराव पाकिस्तानी सेना के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है। तालिबान लड़ाकों ने दावा किया है कि उन्होंने बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। उनके हथियार और बख्तरबंद वाहन जब्त कर लिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में तालिबान लड़ाके कथित तौर पर एक पाकिस्तानी टी-55 टैंक पर सवार होकर जाते दिखाई दे रहे हैं। तालिबान ने इस टैंक को कथित तौर पर कंधार में हुए झड़पों के दौरान कब्जे में ले लिया था।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसक झड़पों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंतित कर दिया है। चीन ने अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा की अपील की है। रूस ने दोनों पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश कर दी। तालिबान के बढ़ते हमलों के बाद पाकिस्तान ने कतर और सऊदी अरब से हस्तक्षेप करने और संघर्ष को रोकने में मदद की गुहार लगाई थी।

चिकित्सा के देवता माने जाते हैं भगवान धन्वन्तरि

-रमेश सर्राफ धमोरा

18 अक्टूबर धन्वन्तरि जयन्ती पर विशेष

धन्वन्तरि को हिन्दू धर्म में देवताओं के वैद्य माना जाता है। ये एक महान चिकित्सक थे जिन्हें देव पद प्राप्त हुआ। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार समझे जाते हैं। इनका पृथ्वी लोक में अवतरण त्रयोदशी के दिन हुआ था। इसीलिये दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वन्तरि का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन इन्होंने आयुर्वेद का भी प्रादुर्भाव किया था। इन्हें भगवान विष्णु का रूप कहते हैं जिनकी चार भुजायें हैं। उपर की दोंनों भुजाओं में शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं मे से एक में औषध तथा दूसरे मे अमृत कलश लिये हुये हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा करनें वाले वैद्य इन्हे आरोग्य का देवता कहते हैं। इन्होंने ही अमृतमय औषधियों की खोज की थी। इनके वंश में दिवोदास हुए जिन्होंने शल्य चिकित्सा का विश्व का पहला विद्यालय काशी में स्थापित किया था। जिसके प्रधानाचार्य सुश्रुत बनाये गए थे। सुश्रुत दिवोदास के ही शिष्य और ऋषि विश्वामित्र के पुत्र थे। उन्होंने ही सुश्रुत संहिता लिखी थी। सुश्रुत विश्व के पहले शल्य चिकित्सक थे। दीपावली के अवसर पर कार्तिक त्रयोदशी-धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं। कहते हैं कि शंकर ने विषपान किया। धन्वंतरि ने अमृत प्रदान किया और इस प्रकार काशी कालजयी नगरी बन गयी।

आयुर्वेद के सम्बन्ध में सुश्रुत का मत था कि ब्रह्माजी ने पहली बार एक लाख श्लोक के आयुर्वेद का प्रकाशन किया था। जिसमें एक सहस्त्र अध्याय थे। उनसे प्रजापति ने पढ़ा तदुपरांत उनसे अश्विनी कुमारों ने पढ़ा और उन से इन्द्र ने पढ़ा। इन्द्रदेव से धन्वंतरि ने पढ़ा और उन्हें सुन कर सुश्रुत मुनि ने आयुर्वेद की रचना की। इसके उपरान्त अग्निवेश तथा अन्य शिष्यों के तन्त्रों को संकलित तथा प्रतिसंस्कृत कर चरक द्वारा चरक संहिता के निर्माण का भी आख्यान है।

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं। इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हैं। परन्तु जब यमराज ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया था। लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके।

हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन ही भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था। इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरि पीतल का कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं।

एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आंगन में यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं।

महाभारत तथा पुराणों में विष्णु के अंश के रुप में उनका उल्लेख प्राप्त होता है। उनका प्रादुर्भाव समुद्रमंथन के बाद निर्गत कलश से अण्ड के रुप मे हुआ। समुद्र के निकलने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से कहा कि लोक में मेरा स्थान और भाग निश्चित कर दें। इस पर विष्णु ने कहा कि यज्ञ का विभाग तो देवताओं में पहले ही हो चुका है। अतः यह अब संभव नहीं है। देवों के बाद आने के कारण तुम (देव) ईश्वर नहीं हो। अतः तुम्हें अगले जन्म में सिद्धियां प्राप्त होंगी और तुम लोक में प्रसिद्ध होगे। तुम्हें उसी शरीर से देवत्व प्राप्त होगा और द्विजातिगण तुम्हारी सभी तरह से पूजा करेंगे। तुम आयुर्वेद का अष्टांग विभाजन भी करोगे। द्वितीय द्वापर युग में तुम पुनः जन्म लोगे इसमें कोई सन्देह नहीं है।

इस वर के अनुसार पुत्रकाम काशीराज धन्व की तपस्या से प्रसन्न हो कर जब भगवान ने उसके पुत्र के रुप में जन्म लिया और धन्वंतरि नाम धारण किया। धन्व काशी नगरी के संस्थापक काश के पुत्र थे। वे सभी रोगों के निवराण में निष्णात थे। उन्होंने भरद्वाज से आयुर्वेद ग्रहण कर उसे अष्टांग में विभक्त कर अपने शिष्यों में बांट दिया। वैदिक काल में जो महत्व और स्थान अश्विनी को प्राप्त था वही पौराणिक काल में धन्वंतरि को प्राप्त हुआ। जहां अश्विनी के हाथ में मधुकलश था वहां धन्वंतरि को अमृत कलश मिला, क्योंकि विष्णु संसार की रक्षा करते हैं। इसीलिये रोगों से रक्षा करने वाले धन्वंतरि को विष्णु का अंश माना गया है।

पर्यावरण प्रदूषण शुद्ध वायु और विकास में प्रतिद्वंदिता

संजीव ठाकुर

लीजिए फिर से शीतकाल आ गया और इस समय सभी महानगरों समेत मध्य क्रम के बड़े शहरों में भी पर्यावरण प्रदूषण अपने चरम पर होता है। बच्चे तथा बूढ़े इसके सर्वाधिक शिकार होते हैं और पर्यावरण प्रदूषण के कारण हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह क्रम हर वर्ष का है लेकिन ना तो आम जनता इसमें सावधानी बरतनी है और ना ही शासन प्रशासन, यह प्रक्रिया लगातार बदस्तूर जारी रहती है। आइये इसकी वर्तमान स्थिति और पर्यावरण प्रदूषण से बचने के उपायों पर चर्चा करने का प्रयास करते हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरण और वायु प्रदूषण का संकट भारत जैसे विकासशील देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़ा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे महानगर आज साँस लेने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। प्रदूषित हवा में नागरिकों की दिनचर्या घुटती जा रही है। दिल्ली, जो विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाती है, वहाँ ढट2.5 का औसत स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर दर्ज किया गया है – जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा केवल 5 माइक्रोग्राम है। भारत में वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख लोगों की मृत्यु होती है, जो किसी मौन महामारी से कम नहीं।

राजधानी दिल्ली की वायु में अब वह ठंडक नहीं रही जो कभी यमुना किनारे के पेड़ों की छाँव में महसूस होती थी। हवा में घुला धुआँ और धूल अब बच्चे के खेलते फेफड़ों तक पहुँच चुका है। शहरी नागरिक अस्थमा, एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। दिल्ली में अकेले 12 हजार से अधिक मौतें हर वर्ष वायु प्रदूषण से जुड़ी पाई गई हैं। यही नहीं, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में भी प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बेंगलुरु और हैदराबाद, जो कभी हरित नगर कहे जाते थे, अब यातायात और औद्योगिक विस्तार की वजह से धुएँ के बादलों में ढके रहते हैं। यह विडंबना है कि हमारे देश में पर्यावरण और राजनीति अब एक-दूसरे के विरोधी शब्द बन गए हैं। दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा संसद से लेकर सड़कों तक होती है, पर समाधान हाथ नहीं आता। केंद्र और राज्य सरकारें आरोप-प्रत्यारोप में उलझी हैं, जबकि हवा हर दल के मतदाताओं के फेफड़ों में समान रूप से प्रवेश कर रही है। यही स्थिति वैश्विक स्तर पर भी है–जहाँ जलवायु परिवर्तन को लेकर सैकड़ों घोषणाएँ होती हैं, पर धरातल पर वनीकरण और स्वच्छ ऊर्जा की गति बेहद धीमी है।

आर्थिक विकास के नाम पर मनुष्य ने प्रकृति से जितना लिया, लौटाया बहुत कम। उद्योग, खनन, नदी बाँध और शहरीकरण ने धरती के संतुलन को तोड़ा। पर्वतों को काटा गया, नदियों को बाँधा गया, जंगलों को उजाड़ा गया – और अब वही प्रकृति अपने मौन प्रतिशोध में जलवायु परिवर्तन के रूप में खड़ी है। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्री जल-स्तर बढ़ रहा है, तूफानों की तीव्रता बढ़ती जा रही है। यह सब संकेत हैं कि प्रकृति अब सहने की सीमा पार कर चुकी है। फिर भी, विकास आवश्यक है पर ऐसा विकास जो टिकाऊ हो, जो जीवन से समझौता न करे। भारत ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) जैसी योजनाएँ शुरू की हैं जिनका लक्ष्य 2026 तक वायु प्रदूषण को 30% तक घटाना है। यह सराहनीय पहल है, किंतु इसका असर तभी होगा जब नागरिक स्तर पर भागीदारी बढ़े। पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भ्रम है। जब तक हर नागरिक अपने घर, वाहन और जीवनशैली को पर्यावरण अनुकूल नहीं बनाता, तब तक हवा का शुद्ध होना असंभव है।

हमें अपनी विकास नीति को हरित तकनीक के साथ जोड़ना होगा – जैसे ग्रीन एनर्जी, सौर एवं पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, ग्रीन बिल्डिंग, और कार्बन न्यूट्रल उद्योग। यूरोपीय देशों ने यह दिखाया है कि आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चल सकते हैं। वहाँ की नीतियाँ कार्बन टैक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और जनशिक्षा पर आधारित हैं। भारत के लिए भी यही राह अपनाना अनिवार्य है। साथ ही, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ना होगा। यही वह संतुलन है जिससे हम विकास के साथ प्रकृति की गरिमा भी बचा सकते हैं। विकास परियोजनाओं के पूर्व केवल पर्यावरणीय प्रभाव आकलन ही नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव आकलन को भी अनिवार्य बनाया जाना चाहिए ताकि किसी की भूमि, जीवन या संस्कृति की हानि विकास का मूल्य न बने। आर्थिक और पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे बड़ा दुष्परिणाम सामाजिक विभाजन के रूप में सामने आता है। एक ओर महानगरों के लोग सुविधाओं से भरे हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण समुदाय अपनी भूमि, जंगल और नदियों से वंचित होकर विस्थापन झेल रहे हैं। यह विकास नहीं, असमानता का विस्तार है। हमें ऐसा मॉडल चाहिए जिसमें किसी की प्रगति किसी और की हानि पर आधारित न हो।

महात्मा गांधी ने कहा था – प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है, हमारी लालच को नहीं। आज यह वाक्य एक चेतावनी बन चुका है। यदि हम इस चेतावनी को अनसुना करते रहे, तो आर्थिक विकास की पूरी इमारत उसी प्रकृति की राख में समा जाएगी जिसे हमने नींव में रखा था। इसलिए हमें विकास को नैतिकता और संवेदनशीलता से जोड़ना होगा। मानवता का वास्तविक उत्थान तभी होगा जब हम यह समझेंगे कि अर्थशास्त्र और पारिस्थितिकी विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर सहयोगी हैं। आर्थिक समृद्धि तभी स्थायी है जब पर्यावरण स्वच्छ, जल स्रोत निर्मल और हवा जीवनदायिनी हो। यही संतुलन हमारी सभ्यता की स्थायित्व रेखा है। विकास की दौड़ में हमें यह याद रखना होगा कि प्रकृति से आगे निकलकर मनुष्य ने कभी जीत नहीं पाई – उसकी सबसे बड़ी जीत तो वही है जब वह प्रकृति के साथ चलना सीख ले। अतः आज का युग केवल तकनीक या उपभोक्तावाद का नहीं, बल्कि चेतना और जिम्मेदारी का युग होना चाहिए। यह वही क्षण है जब हमें तय करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी हवा, कैसी धरती और कैसी नदियाँ छोड़ना चाहते हैं। यदि हमने सही दिशा चुनी, तो आर्थिक विकास और पर्यावरण संतुलन एक ही जीवनधारा के दो तट बन सकते हैं – और उनके बीच प्रवाहित होगी वह निर्मल चेतना, जिसमें जीवन और विकास दोनों साथ साँस ले सकेंगे।

सेहत से खिलवाड़ करते मिलावटखोर

मिलावट के इस दौर में असली-नकली में भेद करना बेहद मुश्किल जान पड़ता है फिर चाहे वे मानवीय संबंध हों या फिर दैनिक उपभोग में प्रयुक्त होने वाले खाद्य पदार्थ। सहायक धंधे के तौर पर आरम्भ हुई श्वेत क्रांति तक मुनाफाखोर की बदनीयती से काले धंधे में तबदील हो चुकी है। विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 89.2 प्रतिशत दुग्ध उत्पादों में किसी न किसी प्रकार की मिलावट पाई गई। राष्ट्रीय स्तर पर दुग्ध उत्पादन का आकलन करें तो देश में कुल 14 करोड़ लीटर दूध उत्पादित होता है, जबकि दैनिक खपत लगभग 65 करोड़ लीटर है। मांग व आपू ?त में स्थित यह भारी अंतर कैसे पाटा जाता होगा, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। त्यौहारों के दौरान मिठाइयों की बढ़ती मांग के दृष्टिगत पर्याप्त दूध कहां से आता है, यह भी किसी बड़े रहस्य से कम नहीं। जाहिर तौर पर नियमित आपूर्ति की इस भरपाई में एक बड़ा अंश वास्तव में कृत्रिम दूध का है, जिसे नकली दूध कंपनियों द्वारा विविध प्रकार के रसायनों की सहायता से तैयार किया जाता है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण उत्पादित 68.7 प्रतिशत दूध के मानकों पर खरे न उतर पाने की बात पूर्व में ही बता चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के तहत भारत में प्रतिदिन बिकने वाले 64 करोड़ लीटर दूध में से 50 करोड़ लीटर दूध नकली या मिलावटी होता है। भारत के 70 प्रतिशत से अधिक दुग्ध उत्पाद राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते। समृद्ध प्रांतों की श्रेणी में शुमार होने वाला पंजाब प्रांत भी इस विषय में अपवाद नहीं कहा जा सकता। राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) की एक रिपोर्ट बताती है कि शुद्धता जांचने हेतु लिए गए दूध के नमूनों में अधिकांश न केवल गुणवत्ता-परीक्षण में असफल पाए गए बल्कि 41 प्रतिशत में स्वास्थ्य के लिहाज से घातक तत्व भी मौजूद रहे। बीते दिनों दूध व डेयरी उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध की गई एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार की ओर से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने जवाब दायर करते हुए एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की। सरकार की ओर से प्रदत्त जानकारी के अनुसार 2 जनवरी, 2019 से लेकर 31 दिसम्बर, 2024 तक राज्य में कुल 2,191 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें लगभग 95 प्रतिशत मामलों में दंड लगाया गया। जुमार्ने के रूप में वसूल की गई कुल राशि 3,04,75,720 आंकी गई। आंकड़े अमृतसर, गुरदासपुर, संगरूर तथा फतेहगढ़ साहिब जैसे जिलों में सर्वाधिक मामले दर्ज होने का खुलासा करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिलावट का यह क्रम न सिर्फ दूध उत्पादों तक ही सीमित रहा अपितु पनीर, दही, खोया, मक्खन, मिठाई, देसी घी आदि से लेकर आइसक्रीम, नमकीन, हल्दी एवं मिर्च पाऊडर, गुलाब शरबत, खाद्य तेलों तक में मिलावट देखने को मिली। पांच वर्षों में दर्ज 2,191 मामले स्वतः ही हालात की गंभीरता दशार्ते हैं। ऐसी अवस्था में व्यवस्थात्मक प्रबंधन पर सवालिया निशान उठना भी स्वाभाविक है। दोषियों की धर-पकड़ व भारी-भरकम जुमार्ने के बावजूद यह धंधा क्यों और कैसे फल-फूल रहा है? या तो मुनाफाखोरों में कानून के प्रति भय ही नहीं अथवा तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार उन्हें मनमर्जी करने की इजाजत दे रहा है। दूध-दही बहाने वाले भारतवर्ष के इतिहास में एक ऐसा भी समय रहा, जब लगभग हर घर में ही पशुधन हुआ करता था। दूध से मुनाफा कमाना तत्कालीन समाज की दृष्टि में हेय था लेकिन आज समय पूर्णतः परिवर्तित हो चुका है। अब इस कारोबार में न केवल जमकर मुनाफाखोरी होती है बल्कि मिलावट की आशंका भी बराबर बनी रहती है। खासकर त्यौहार के दिनों में यह सिलसिला चरम पर पहुंच जाता है। मिलावटखोरी की यह प्रक्रिया लोगों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव छोड़ेगी, इससे धंधेबाजों को भला क्या लेना-देना? उनका लक्ष्य तो मात्र पैसा बटोरना ही है, कोई जिए या मरे उनकी बला से! सम्पूर्ण आहार के रूप में लिया जाने वाला दूध शरीर के लिए अमृत समान है जोकि सभी आवश्यक तत्वों की पूर्ति करने में समर्थ माना गया है किंतु यदि दूध के नाम पर जहरीले तत्व शरीर में घुल जाएं तो इसका परिणाम भी तो सर्वथा विपरीत ही होगा न? मिलावट का यह गोरख धंधा शरीर पर अनेक दुष्प्रभाव छोड़ देता है। धवलता में जहरीले तत्वों की कलुषता घोलती मिलावट न केवल सामूहिक रूप में समाज के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करके अनेकानेक व्याधियों को न्यौता देने का सबब बन रही है बल्कि मानवीय मूल्यों पर घात करते हुए सामाजिक व नैतिक माहौल भी अस्वस्थ बना रही है। मिलावट का धंधा करने वाले दगाबाज लोगों पर नकेल कसना अत्यावश्यक है। जनता की सेहत से खिलवाड़ करना कोई मामूली मुद्दा नहीं, इसे संजीदगी से लेना चाहिए। आवश्यक है कि विभिन्न माध्यमों से मिलावट जांचने संबंधी विधियों को लेकर पर्याप्त जन-जागरूकता फैलाई जाए।

कोकण विभाग की उपसंचालक अर्चना गाडेकर शंभरकर का निधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, कोकण विभाग की प्रभारी उपसंचालक और प्रसिद्ध लेखिका अर्चना गाडेकर-शंभरकर (आयु 52 वर्ष) का बुधवार, 15 अक्टूबर की शाम 7:20 बजे मुंबई के अपोलो हॉस्पिटल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे मूल रूप से चंद्रपुर की निवासी थीं। अर्चना गाडेकर-शंभरकर अपने पीछे पति प्रकाश शंभरकर, पुत्र डॉ. अप्रतिम और रीची शंभरकर, पिता भगवान गाडेकर, भाई डॉ. हेमंत गाडेकर और अभिनेता जयंत गाडेकर, बहन डॉ. मोना समेत एक बड़ा परिवार छोड़ गई हैं। अर्चना शंभरकर एक जानी-मानी लेखिका थीं। उनकी चर्चित कृतियों में सोलमेट उपन्यास और सारीनास लघुकथा संग्रह विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। वे विदर्भ की सुप्रसिद्ध कवियित्री दिवंगत विमल गाडेकर की ज्येष्ठ पुत्री थीं।

पेटीएम ट्रैवल ने लॉन्च की दिवाली कार्निवल सेल

मुंबई। भारत की अग्रणी फुल-स्टैक मर्चेंट पेमेंट्स और फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम ने पेटीएम ट्रैवल दिवाली कार्निवल सेल की घोषणा की है। यह फेस्टिव सेल अब लाइव है और इसका उद्देश्य दिवाली सीजन में लाखों भारतीयों के लिए यात्रा को अधिक किफायती और पुरस्कृत बनाना है। इस सेल के तहत, पेटीएम ट्रैवल पर घरेलू उड़ानों पर 15% तक, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्लैट 10%, और बस बुकिंग्स पर 20% तक की छूट दी जा रही है। यात्री केवल 899 रुपये में ट्रैवल पास खरीद सकते हैं, जिसके लिए कोड पासदिवाली का उपयोग करना होगा। यह ट्रैवल पास फ्री कैंसलेशन, ट्रैवल इंश्योरेंस और भविष्य की यात्राओं पर अतिरिक्त बचत जैसे लाभ प्रदान करता है। फेस्टिव सीजन के लाभों को और बढ़ाने के लिए, पेटीएम ने अग्रणी बैंकों के साथ साझेदारी की है। बीओबी कार्ड, आरबीएल बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचएसबीसी, और पंजाब नेशनल बैंक के कार्डधारक फ्लाइट्स पर 7,500 रुपये तक और बस बुकिंग पर 500 रुपये तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। पेटीएम ट्रैवल प्रवक्ता ने कहा, दिवाली ऐसा समय है जब लाखों भारतीय अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाने घर लौटते हैं। हमारी दिवाली कार्निवल सेल का उद्देश्य उनकी यात्रा को अधिक किफायती और स्मार्ट बनाना है। बैंक ऑफर्स और ट्रैवल पास का कॉम्बिनेशन यात्रियों को बेहतर प्लानिंग और अधिक बचत की सुविधा देता है। पेटीएम ट्रैवल भारत के ट्रैवल सेक्टर में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है, जहां यह फ्री कैंसलेशन, इंस्टेंट रिफंड और भरोसेमंद पेमेंट विकल्प प्रदान करता है। बढ़ती संख्या में भारतीय जब अपनी फेस्टिव और बिजनेस यात्राओं के लिए पेटीएम चुन रहे हैं, तो प्लेटफॉर्म भारत की डिजिटल इकॉनमी को गति देने में एक विश्वसनीय यात्रा साथी के रूप में उभर रहा है।

पेटीएम पर सोना खरीदने के कई स्मार्ट विकल्प

मुंबई। धनतेरस को सोना खरीदने का सबसे शुभ अवसर माना जाता है। परंपरा को आधुनिक रूप में जीवित रखते हुए, पेटीएम अब सोना खरीदने को पहले से भी आसान, सुरक्षित और सुलभ बना रहा है। इस धनतेरस, पेटीएम हर परिवार को कहीं से भी, कभी भी सोने में निवेश करने की सुविधा दे रहा है। पेटीएम डिजिटल गोल्ड के माध्यम से यूजर केवल 51 रुपये से शुद्ध 24 कैरेट सोना खरीद सकते हैं। यह सोना विश्वसनीय साझेदारों के पास सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाता है, और उसका मूल्य पेटीएम ऐप पर रियल-टाइम देखा जा सकता है। लंबी अवधि की बचत के लिए पेटीएम डेली, वीकली और मंथली एसआईपी विकल्प भी प्रदान करता है। हर ट्रांजैक्शन डिजिटल लॉकर में सुरक्षित रूप से दर्ज होता है, और संचित सोना कभी भी बेचा या रिडीम किया जा सकता है। जल्द ही, पेटीएम प्लेटफॉर्म पर बीआईएस-प्रमाणित हॉलमार्क गोल्ड की डिलीवरी सुविधा भी शुरू होगी। पेटीएम ने हाल ही में पेटीएम गोल्ड कॉइन्स की शुरूआत की है। यह एक अनोखी पहल जिसमें हर पेमेंट से यूजर्स को गोल्ड कॉइन्स मिलते हैं, जिन्हें बाद में डिजिटल गोल्ड में बदला जा सकता है। अब पेटीएम पर की गई हर ट्रांजैक्शन चाहे वह स्कैन एन्ड पे, ऑनलाइन शॉपिंग, मनी ट्रांसफर, रिचार्ज, बिल पेमेंट या ऑटो-डिडक्शन हो उपयोगकताओं को गोल्ड कॉइन अर्जित करने का मौका देती है। 100 गोल्ड कॉइन्स 1 रुपये के डिजिटल गोल्ड के बराबर हैं। जब बैलेंस 1,500 कॉइन्स तक पहुँचता है, तो उन्हें सहजता से डिजिटल गोल्ड में बदला जा सकता है। पेटीएम गोल्ड का डेली एसआईपी विकल्प मात्र 51 रुपये से शुरू होता है। यह सुरक्षित स्टोरेज, रियल-टाइम प्राइसिंग और फ्लेक्सिबल निवेश योजना के साथ परिवारों को अनुशासित निवेश का आसान तरीका देता है। इस धनतेरस, पेटीएम डेली गोल्ड एसआईपी के जरिए हर परिवार सालभर समृद्धि की परंपरा को बनाए रखते हुए सुरक्षित और योजनाबद्ध निवेश कर सकता है।

मिनटों में दिवाली: क्विक कॉमर्स के साथ गिफ्टिंग और होस्टिंग का नया अंदाज

मुंबई/पटना। घर की सफाई से लेकर इनबॉक्स क्लीन करने तक, दोस्तों की गेट-टुगेदर प्लानिंग से लेकर फैमिली को होस्ट करने तक, दिवाली से पहले के दिन हमेशा भागदौड़ से भरे होते हैं। ऐसे में क्विक कॉमर्स एक बड़ा सहायक बन गया है, जो दिवाली की तैयारियों को आसान और तनावमुक्त बना देता है।

चाहे ट्रेन पकड़ने से पहले का आखिरी पल वाला गिफ्ट हो या अचानक आए मेहमानों के लिए कुछ मीठा, यहां कुछ खास और विचारपूर्ण त्योहारी विकल्प दिए गए हैं, जो मिनटों में मिल जाते हैं और खुशी की गारंटी के साथ आते हैं।

9 से 5 कामकाजी लोग, जो गिफ्ट लेना भूल गए,ऑफिस के काम निपटाते-निपटाते, परफेक्ट आउटफिट चुनते और व्हाट्सएप ग्रुप में ड्रिंक प्रेफरेंस भेजते हुए आप शायद एक जरूरी चीज भूल गए, गिफ्ट! आपके दोस्त दिवाली पार्टी को शानदार बनाने में व्यस्त हैं, और सबसे बढ़िया मदद आप एक ऐसे साझा तोहफे से कर सकते हैं जो खुशी, जोश और फेस्टिव एनर्जी लाए। हॅप्पिलो धमाका गिफ्ट बॉक्स- डेट्स, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स और प्लांटेबल पटाखे। स्नैकिंग, शेयरिंग और जश्न को तुरंत जगमगाने के लिए परफेक्ट।फॅब्यूल मिनी कराओके माइक (वायरलेस)- क्योंकि इम्प्रॉम्प्टू सिंगिंग बैटल्स से बढ़कर कोई पार्टी ज़िंदा नहीं रखता। हर गेट-टुगेदर को यादगार बना देने वाला तोहफा। फ्लाइट बुक हो चुकी है, बैग पैक हो गए हैं, और मां तीन बार पूछ चुकी हैं कि कब पहुंचोगे? लेकिन डेडलाइंस और पैकिंग के बीच आप सबसे जरूरी चीज भूल गए- घर के लिए क्या लेकर जाएं खाली हाथ जाना तो सवाल ही नहीं। बचपन की दिवाली की यादें फिर से ताजा करें- रसोई से चोरी-छिपे मिठाई खाना, दीयों की नरम रोशनी, और वे छोटे-छोटे रीति-रिवाज जो त्योहार को पूरा बनाते थे।

जिला परिषद पालघर में दिव्यांग सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन

◆दिव्यांग विशेष रूप से सक्षम हैं, उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करना हमारी जिम्मेदारी : जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़

पालघर(उत्तरशक्ति)। दिव्यांग व्यक्ति अक्षम नहीं, बल्कि विशेष रूप से सक्षम हैं। उनके सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना प्रत्येक अधिकारी की सामाजिक जिम्मेदारी है, ऐसा प्रतिपादन जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने किया। जिला परिषद पालघर के दिव्यांग कल्याण विभाग की ओर से दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता जागरूकता एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार 16 अक्टूबर को लोकशाहीर आत्माराम पाटील सभागृह, नियोजन भवन, जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने की, जबकि विशेष अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक यतीन देशमुख उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगडे, जिला नियोजन अधिकारी प्रशांत भामरे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरीकमसलत समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी एवं दिव्यांग प्रतिनिधि

शामिल हुए। इस दौरान दिव्यांगों के अधिकारों, सरकारी योजनाओं और उनके सशक्तिकरण में प्रशासन की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक यतीन देशमुख ने कहा कि अधिकारियों को दिव्यांगों के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा। यदि सरकारी योजनाएं सही मायनों में दिव्यांगों तक पहुंचीं, तो उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आएगा। मेरे पिता को बचपन में पोलियो हुआ था, लेकिन शासन की योजनाओं का लाभ मिलने से उन्होंने शिक्षित होकर हमें सक्षम बनाया। दिव्यांगों के लिए दफ्तरों में व्हीलचेयर व सुलभ सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने कहा कि दिव्यांगों के लिए निर्धारित निधि का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचना चाहिए। प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना चाहिए – यही समावेशी विकास की दिशा है। मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे ने दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत और पाँच प्रतिशत आरक्षित निधि तथा नवीन योजनाओं की जानकारी दी। सहायक आयुक्त (कौशल विकास) रेणुका तम्मलवार ने अपने विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक डॉ. प्रकाश हसनाळकर (जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी) ने किया। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्य बताते हुए अधिकारियों से दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति रखने का आग्रह किया। विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भी अपने विभागों में दिव्यांगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी साझा की। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी उपस्थित जनों के प्रति सुरेश चव्हाण ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के माध्यम से समाज में दिव्यांग कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ह्यसमावेशी विकासह्न की दिशा में ठोस कदम उठाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पेंट की गुणवत्ता को देखने कारखाना पहुंचे कुमार आयलानी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आमदार कुमार आयलानी ने वैश्विक स्तर के पेंट के कारखाना एम आर पेंट का दौरा किया और टेकवानी परिवार को शुभकामनाएं दीं। इस दुकान का उद्घाटन हाल ही में आमदार कुमार आयलानी द्वारा दशहरा के शुभ अवसर पर किया गया था। गुरुवार को अचानक दौरा कर पेंट की गुणवत्ता को परखा और टेकवानी परिवार को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मधु भटीजा, सुनील पुनेजा समेत अन्य लोग भी उपस्थित थे। बतादे की उल्हासनगर के फालवर लाइन स्थित टफपेंट की दुकान का उद्घाटन कुछ दिन पहले आमदार कुमार आयलानी के हांथो किया गया था ।गुरुवार को आमदार कुमार ने इस दुकान कारखाने का दौरा कर कारखाने की गुणवत्ता को परखा सभी कुछ ठीकठाक पाए जाने पर टेकवानी परिवार को शुभकामनाएं दी।

जिले के उद्योगों को मिला सुवर्ण व रजत निर्यात पुरस्कार

पालघर(उत्तरशक्ति)। राज्य उद्योग विभाग की ओर से आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत के हस्ते राज्यभर के उत्कृष्ट निर्यातदार उद्योजकों को महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में पालघर जिले के तीन निर्यातक उद्योजकों को कुल पाँच पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्योगो में डी. डेकोर प्रा. लि. (तारापूर एम आई डी सी) को होम डेकोर फैब्रिक के निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट कामगिरी के लिए इस कंपनी को बड़े उद्योग प्रवगार्तून वर्ष 2022-23 के लिए सुवर्ण (स्वर्ण) पुरस्कार और वर्ष 2023-24 के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। सहयोग एक्स्पोर्ट्स प्रा. लि. (वसई) को लेदर उत्पादों के निर्यात क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए

लघुउद्योग प्रवगार्तून वर्ष 2022-23 के लिए सुवर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया तथा अमिटी लेदर इंटरनॅशनल (सफाले) को लेदर उत्पादों की निर्यात कामगिरी के लिए लघुउद्योग प्रवगार्तून वर्ष 2022-23 के लिए प्रमाणपत्र और वर्ष 2023-24 के लिए रजत (रजत) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि महाराष्ट्र की निर्यात क्षमता को दस गुना बढ़ाने के लिए राज्य सरकार 12 नई औद्योगिक नीतियां लागू कर रही है। इनमें ईव्हिजीसी, जीसीसी, बांबू, लेदर, एरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र शामिल होंगे। इन नीतियों से राज्य के उद्योगपतियों को नई ऊर्जा और प्रोत्साहन मिलेगा।पालघर जिला निर्यात क्षेत्र में लगातार प्रगती दर्ज की है, जिसमें वर्ष 2022-23 में 27,450 करोड़, वर्ष 2023-24 में 28,278 करोड़, और वर्ष 2024-25 में ?30,138 करोड़ की निर्यात कामगिरी दर्ज की गई है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड और उद्योग सहसंचालिका विजू सिरसाठ के मार्गदर्शन में पालघर जिले के उद्योजको को महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार प्राप्त मिलने पर सर्व औद्योगिक क्षेत्रों से हार्दिक अभिनंदन व्यक्त किया का जा रहा है।

जिला परिषद पालघर में महिला समूहों ने पहले ही दिन की 33,000 रुपये की बिक्री

पालघर (उत्तरशक्ति)। दीपावली के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान उमेद के अंतर्गत जिला परिषद पालघर के मुख्य प्रवेशद्वार पर लगाये गये फराल, दीये, उटने और सजावटी सामान के स्टॉल्स को लोगों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला।

कार्यक्रम के पहले ही दिन यानी 16 अक्टूबर को महिला समूहों ने कुल 33,000 की बिक्री कर शानदार शुरूआत की। जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते ने स्टॉल्स का दौरा कर महिलाओं से संवाद साधा और उनके कार्य की सराहना की। उन्होंने जिला परिषद के अधिकारियों

व कर्मचारियों से अपील की कि वे इन महिला स्वयंसहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की अधिक से अधिक खरीदारी कर उनका उत्साह बढ़ाएँ। डॉ. सातपुते ने बताया कि यह बिक्री उपक्रम कल, 17 अक्टूबर को भी जिला परिषद के मुख्य प्रवेशद्वार पर जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे स्टॉल्स पर आकर ह्यउमेदह्न अभियान की महिलाओं का हौसला बढ़ाएँ और उनके आत्मनिर्भर प्रयासों में सहयोग दें।

ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार व शंखनाद से गूंजा टीमा हॉल

लोक कल्याण संस्था ने किया कर्मकाण्डीय ब्राह्मणों का भव्य सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। लौकिक और परलौकिक कल्याण के उद्देश्य से यज्ञ, अनुष्ठान और पूजा-पाठ करने वाले कर्मकाण्डीय ब्राह्मणों के सम्मान में लोक कल्याण संस्था (रजि.) ने बुधवार को एक विशेष सत्कार समारोह आयोजित किया। पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) के टीमा हॉल में आयोजित इस समारोह की शुरूआत स्वस्तिवाचन और शंखनाद की गूंज के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से हुई। समारोह में मुख्य अतिथि श्री श्री 108 झारखंड ऋषि जी महाराज (तपस्वी आश्रम, संजान) सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भगवान परशुराम, महर्षि वेदव्यास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत समाजसेवी स्व. महेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर 65 वेदपाठी ब्राह्मणों को अंगवस्त्र, स्मृति-चिन्ह, दक्षिणा और पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित

किया गया। वहीं टीमा चेयरमैन डी. के. राऊत को उनके जन्मदिन पर पुरोहितों ने मंगलाचरण के साथ आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव राजू शर्मा ने किया।

प्रमुख संरक्षक रणवीर शर्मा ने पुरोहितों को ईश्वरीय सेवा में समर्पित रहने का संदेश दिया। संस्था के अध्यक्ष स्वामी नाथ पांडेय, उपाध्यक्ष एड. शोभनाथ त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रोहितास शर्मा सहित पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, मीडियाकर्मियों और समाजसेवियों का स्वागत किया। समारोह के अंत में सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन हुआ।

अर्था इंडिया वेंचर्स ने ५०० करोड़ रुपये के अर्था वेंचर फंड-२ की घोषणा की

मुंबई। अर्था इंडिया वेंचर्स (एआईवी) ने आज अपने दूसरे प्रारंभिक चरण के माइक्रो वीसी फंड, अर्था वेंचर फंड-२ (एवीएफ-२) के लिए २५० करोड़ रुपयों के पहले चरण की घोषणा की। इस फंड का कुल आकार ५०० करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जिसमें १०० करोड़ का ग्रीन-शू विकल्प भी शामिल है। फंड ने अपने लक्ष्य के ५० प्रतिशत से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएँ पहले ही प्राप्त कर ली हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों को अर्था की ठोस रणनीति और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड पर गहरा भरोसा है। एवीएफ-२ के अंतर्गत प्रारंभिक चरण (सीड-स्टेज) के ३६ स्टार्टअप्स में निवेश किया जाएगा। यह निवेश प्रीमियम कंजम्पशन, फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर, अप्लाइड एआई और डीप टेक इन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। प्रत्येक स्टार्टअप में यह फंड शुरूआती तौर पर लगभग ४ करोड़ रुपयों का निवेश करेगा और उसके बाद अपने १-२-४ मॉडल के तहत ८ से १६ करोड़ तक की फॉलो-ऑन निवेश करेगा। फंड का लक्ष्य अपने प्रमुख पोर्टफोलियो स्टार्टअप्स में १५ से २० प्रतिशत तक की हिस्सेदारी प्राप्त करना है। यह फंड चार वर्षों के निवेश चक्र के अंतर्गत सक्रिय रूप से कार्य करेगा।

अर्था वेंचर फंड के मैनेजिंग पार्टनर अनिरुद्ध ए. दमाणी ने कहा, स्टार्टअप इकोसिस्टम एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, और ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारा एवीएफ-२ लॉन्च हो रहा है। पिछले आठ महीनों में, एक महीने को छोड़कर, भारत में हर महीने १०० से कम सीड निवेश हुए हैं। यह पिछले दशक का सबसे निम्न स्तर है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि सीड से सीरीज-ए चरण तक पहुँचने का अनुपात, जो परंपरागत रूप से हर ९ में से १ स्टार्टअप (लगभग १२-१३ प्रतिशत) हुआ करता था, अब घटकर केवल ५-६ प्रतिशत रह गया है। यह इस बात का संकेत है कि प्रारंभिक चरण के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र में इस समय पूंजी की कितनी भारी कमी उत्पन्न हो चुकी है।

स्टोवक्राफ्ट ने 'त्योहार मेरा स्टाइल' अभियान शुरू किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी किचन अप्लायंसेज निमार्ता कंपनियों में से एक, स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने अपने प्रमुख ब्रांड पिजन अप्लायंसेज के लिए 'त्योहार मेरा स्टाइल' उत्सव अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान भारतीय उत्सवों के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालता है और देश भर के लोगों द्वारा त्योहारों के मौसम को मनाने के तरीके पर एक नया और समकालीन दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

जेबेक कम्युनिकेशंस द्वारा परिकल्पित, यह अभियान मेटा, यूट्यूब और अन्य प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्मों की एक श्रृंखला के साथ डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच के रुप में है। डिजिटल प्रचार के अलावा, विभिन्न शहरों में लोकल कंटेंट के साथ प्रिंट विज्ञापन भी शुरू किए गए हैं, जिन्हें चुनिंदा ओओएच प्लेसमेंट, प्रभावशाली लोगों और फूड ब्लॉगरों की भागीदारी और जीवंत उत्सव संबंधी सामग्री से पूरित किया गया है।

स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री राजेंद्र गांधी ने कहा, भारत में त्योहार आनंद, भोजन, परिवार और एकजुटता के साथ-साथ व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का भी प्रतीक हैं। त्योहार मेरा स्टाइल के साथ, हम इस विचार का जश्न मना रहे हैं कि आप इस मौसम को कैसे

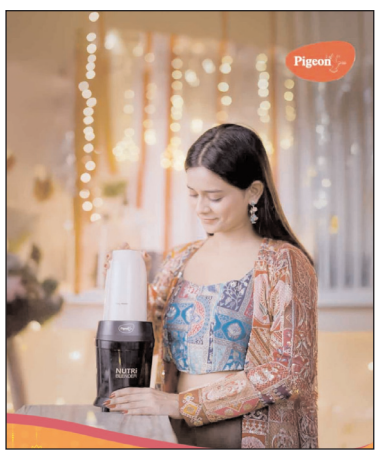

भी मनाएँ, पिजन आपके साथ है। यह अभियान इस बात की मान्यता और स्वीकृति है कि हम हर परिवार के उत्सव का हिस्सा हैं।

इस अभियान का मूल उद्देश्य है भारत की सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय विविधता त्योहारों की कई व्याख्याओं को अर्थपूर्ण और उसके अनूठेपन को एकजुट करना है, चाहे वह पारंपरिक घरों में होने वाले विस्तृत अनुष्ठान हों या स्वतंत्र रूप से रहने वाले युवाओं द्वारा मनाए जाने वाले सरल, विचारशील उत्सव। त्येहार मेरा स्टाइल इस वास्तविकता को दशार्ता है कि हर उत्सव बेहद व्यक्तिगत होता है।

स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख अमिताभ भाटिया ने कहा, हर परिवार के पास इस मौसम के विभिन्न त्यौहारों को मनाने के अपने अनूठे तरीके और अनुकूलन होते हैं। 'त्योहार मेरा स्टाइल' के साथ हम इस विशिष्टता का जश्न मनाना चाहते थे। और हम यह काम यूजर द्वारा तैयार की गई कहानियों, त्योहारों के रहस्यों और ट्रिक्स, प्रतियोगिताओं, उपहारों और प्रभावशाली लोगों के सहयोग से कर रहे हैं। पिजन के समकालीन उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला - जिसमें एयर फ्रायर, हॉब्स, चिमनी, इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर, कास्ट आयरन कुकवेयर, ब्लेंडर्स और बीएलडीसी हेयर ड्रायर शामिल हैं - हर तरह के उत्सव के लिए डिजाइन की गई है, जिससे उपभोक्ता बिना किसी समझौते के उत्सव के पलों का आनंद ले सकते हैं। यह अभियान पिजन के ब्रांड दर्शन, सुपर खुश हैं हमस से जुड़ा है, जो भारत में जश्न मनाने के कई तरीकों का हिस्सा बनने में ब्रांड की खुशी को दशार्ता है। 65,000 से ज्यादा आउटलेट्स के वितरण नेटवर्क और 14 से ज्यादा देशों में निर्यात के साथ, स्टोवक्राफ्ट पिजन और गिल्मा जैसे विश्वसनीय ब्रांडों के माध्यम से भारतीय घरों में नवाचार, सुविधा और सांस्कृतिक प्रासंगिकता लाना जारी रखता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान महिला की हुई मौत

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में एक बहुचर्चित मछलीशहर प्राइवेट अस्पताल प्रसव के दौरान डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत हो गई। मृतक महिला के देवर ने पत्रकारों से बात करने के दौरान अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पताल में पहले भी कई ऐसी लापरवाही के कारण घटनाएं घट चुकी है। अस्पताल पर कोई कार्यवाही न होने से ये अस्पताल के संचालक/ डॉक्टर फिर यमराज बन बैठे। जब सुविधा नही, व्यवस्था नही कोई जानकारी नही है तो अस्पताल का नाम अपोलो रखने की क्या जरूरत है। ऐसा प्रतिष्ठित नाम रखकर ईलाज नही मौत का सौदा करने बैठे है। तत्काल ये अस्पताल सील होनी चाहिए अस्पताल स्टॉप की गिरफ्तारी भी होनी चाहिए। परिजनों ने डॉक्टर के ऊपर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा कर दिया।

अस्पताल की चैंबर से दर्जनों शराब की बोतल हुई बरामद

जमुआर बाजार के पास दहेला ग्राम निवासी बबीता यादव 32 वर्ष प्रसव के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले उसे औरतों में दम तोड़ दिया। शाम को परिजनों ने बबीता का शव लेकर अस्पताल लौट आए और डॉक्टर पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और शांति व्यवस्था बना रखी। परिजनों ने कोतवाली में तहरीर दी है और प्रभारी निरीक्षक शान मोहम्मद ने बताया पीड़ित परिवार के द्वारा तहरीर मिल गई है और मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। वही परिजन अस्पताल के सामने धरने पर बैठ गए हैं परिवारजनों का कहना है कि जब तक जिले के सक्षम अधिकारी अस्पताल पर कार्रवाई नहीं करते तब तक के धरना जारी रहेगा। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर मानक विहीन अस्पताल भरमार हो गई है। जहाँ डॉक्टर मरीजों की जान के ग्राहक बनकर जुगाड़ से डिग्री हासिल करके बिना ज्ञान के अभाव में मरीजों का धड़ल्ले से इलाज कर उनके जीवन के साथ खेल रहे है। हॉस्पिटल में अक्सर डॉक्टर की लापरवाही से मरीज अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। जांच के दौरान चेंबर में शराब की दर्जनों बोतल पी गई है ।जिससे स्वास्थ्य विभाग के ऊपर एक सवालिया निशान खड़ा होता है कि ऐसे डॉक्टर जो शराब के नशे में मरीज का इलाज करते हैं और ऑपरेशन करते हैं क्या कोई मरीज उनकी ऑपरेशन या इलाज से जिंदा रह सकता है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अपोलो अस्पताल को सीज कर दिया गया है।

सशक्त भारत के नायक हैं कलामः ले.कर्नल पुष्पेंद्र सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न और मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर के सौदागर हाल में एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का योगदानह्व विषय पर एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह ने की, मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. एम. हसीन खान सुहेलदेव विश्वविद्यालय, प्रो. बाला लखेन्द (बीएचयू)और विदेश ब्रुनेई के समाजसेवी अहमद शमीम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने डॉ. कलाम के जीवन पर कविताएँ, भाषण और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति की भावना से गूंज उठा।

प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर ने स्वागत संबोधन में कहा कि 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन शिक्षा, विज्ञान, अनुशासन और चरित्रबल का प्रतीक रहा है। मिसाइल मैन के रूप में उन्होंने भारत को तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनाया और युवाओं में आत्मविश्वास एवं जिम्मेदारी की भावना जगाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित किया।'

कार्यक्रम के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि 'सशक्त और मजबूत भारत की असली पहचान कलम है। मिसाइल मैन डॉ. कलाम ने दिखाया कि अनुशासन, देशप्रेम और विज्ञान के संगम से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है।' मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि 'डॉ. कलाम केवल वैज्ञानिक नहीं, बल्कि समाजसेवा के प्रतीक थे। उन्होंने यह सिखाया कि सच्ची मिसाइल वह है जो ज्ञान, चरित्र और सेवा की शक्ति से समाज को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है।'

विशिष्ट अतिथि प्रो. एम. हसीन खान ने कहा कि 'डॉ. कलाम ने सीमित संसाधनों में भी भारत को वैश्विक पहचान दिलाई और यह दिखाया कि दृढ़ संकल्प और निष्ठा से

कलामः सशक्त भारत के सपनों का है आधारः ज्ञान प्रकाश सिंह

असंभव भी संभव हो सकता है।'

प्रो. बाला लखेन्द ने कहा कि 'डॉ. कलाम केवल वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि सच्चे शिक्षक थे, जिन्होंने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावशाली अस्त्र बताया।'

समाजसेवी अहमद शमीम (ब्रुनेई) ने कहा कि 'राष्ट्र निर्माण में हर नागरिक की भूमिका होती है, जब युवा सेवा, अनुशासन और जिम्मेदारी को अपनाते हैं, तभी भारत सशक्त बनता है।'

कार्यक्रम के दौरान समान फातिमा ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन परच प्रकाश डालते हुए एक शानदार और प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। विद्यार्थियों द्वारा 'विज्ञान और युवा शक्ति' विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी और नाट्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गई, जिसमें युवाओं की भूमिका को प्रभावशाली रूप में दशार्या गया।

इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और स्काउट-गाइड के मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली आकृति जायसवाल तथा पीआरडी परेड में सम्मिलित होने वाली ज्योति यादव और प्रियंका यादव को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर मोहम्मद नासिर खान,राधेश्याम सिंह मुन्ना कीर्ति पांडेय,डॉ जितेन्द्र यादव, डॉ नगमा यासमीन,इशान खान,डॉ शहनावज खान,डॉ. कमरूद्दीन शेख, डॉ. जीवन यादव, आर.पी. सिंह, डॉ राजिया,डॉ. ममता सिंह, डॉ. शाहिदा परवीन, डॉ. प्रेमलता गिरी, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. विवेक विक्रम, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. तरन्नुम, डॉ. तबस्सुम, डॉ. अरविंद यादव, डॉ. अब्दुल हलीम हाशमी, डॉ सतीश दुबे,डॉ अनिरुद्ध सिंह,तकरीम फातमा, डॉ. सरिता सिंह, उमरा खान, राजन पांडेय, सुमित सिंह, शमिता बुद्धा,अनुराग यादव, अंकित यादव, आदित्य मिश्रा, सुजीत प्रजापति, अंशुमान शाह एवं हर्ष यादव सहित महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। आस्था सिंह और रश्मि मौर्या ने योगा के आसन के करतबों का प्रदर्शन किया। सभी ने कॉलेज प्रशासन के प्रयासों और सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना एक सशक्त, आत्मनिर्भर और शिक्षित भारत तभी साकार होगा जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा और तंत्र ईमानदारी से करे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बने कृष्णा जायसवाल 'गोलू'

◆ बधाई देनें वाले लोगों का लगा तांता

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल के पति अध्यक्ष प्रतिनिधि युवाओं के लोकप्रिय यूवा नेता विकास पुरुष कृष्णा जायसवाल 'गोलू' की लोकप्रियता एवं संगठन के प्रति इनके कर्तव्य निष्ठा को देखते हुऐ इनको स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर के जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। इनका मनोनयन वर्ष 2028 तक मान्य होगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्णा जायसवाल गोलू नें कहा कि मैं अध्यक्ष एसोसिएशन के नियमानुसार निकाय अध्यक्षगणों के हीतों को ध्यान में रखते हुवे अपनें कार्य से संगठन को और अधिक मजबूत करनें का काम करेंगे।

जिला अध्यक्ष बनाये जानें की सूचना मिलने पर कृष्णा जायसवाल 'गोलू' को बधाई देने वाले लोगों की उनके नरहन में स्थित आवास पर लम्बी कतार लगी रही।

जिला अध्यक्ष कृष्णा जायसवाल गोलू ने कहा कि मैं धन्यवाद देता हूँ और शुक्रगुजार हूँ स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के लोगों का कि मुझपर भरोसा करके मुझे जिला अध्यक्ष बनाकर के जौनपुर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मैं पूरी निष्ठा इमानदार, बफादारी और दमदारी के साथ पूरे तन मन धन से सेवा करता रहुँगा।

हाईस्कूल में अध्यनरत छात्र हुआ लापता, मां ने तहरीर देकर पुलिस से लगाई गुहार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र से एक छात्र लापता हो गया है। कक्षा 9 में पढ़ने वाला सुधीर कुमार 14 अक्टूबर 2025 को स्कूल जाने के बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने केराकत थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। सुधीर कुमार, जो विजय का पुत्र है, सीताराम इंटर कॉलेज हनुखाडीह मुफ्तीगंज, जौनपुर में पढ़ता है। वह 14 अक्टूबर 2025 की सुबह करीब 8 बजे अपने घर से स्कूल के लिए निकला था। शाम 4 बजे तक जब सुधीर घर नहीं लौटा, तो उसके परिजन परेशान हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद भी सुधीर का कोई पता नहीं चला, जिससे परिवार में चिंता बढ़ गई। सुधीर की मां कुसुम देवी (पत्नी विजय) ने केराकत थाने में एक प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपने बेटे की जल्द से जल्द खोजबीन करने की अपील की है और मामले को संज्ञान में लेने का अनुरोध किया है।

खुशखबरीः आलू बीज पर सरकार ने दी 800 रुपए प्रति कुंतल की छूट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विभागीय आलू बीज के विक्रय दर पर रू0 800 प्रति कुतल की छूट की घोषणा की गयी है। जिसके उपरांत शासन के पत्र 16 अक्टूबर 2025 से वित्तीय वर्ष 2025-26 में समस्त श्रेणियों के निर्धारित आलू बीज विक्रय दरों में रू0 800 प्रति कुंटल की दर से छूट प्रदान किये जाने निर्णय लिया गया है। उन्होंने अवगत कराया है कि कुल 300 कुंन्तल आलू बीज का लक्ष्य जनपद को प्राप्त हुआ है। आलू बीज वितरण प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा। 17 अक्टूबर 2025 को कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर मे आलू बीज आने की सम्भावना है इच्छुक कृषक उक्त दिनांक को कार्यालय पर आकर आलू बीज प्राप्त कर सकते है छूट के उपरान्त आलू की संशोधित दरे आधारित प्रथम 2915 रू0 प्रति कुंतल, आधारित द्वितीय 2710 रू0 प्रति कुंतल, ओवर साइज (आ0प्र0) 2040 रू0 प्रति कुंतल एवं ओवर साइज (आ0द्वि0) 1985 रू0 प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। इच्छुक कृषक विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय से या प्रभारी 4401/आलू के दूरभाष नम्बर 8009664663 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

शिवपुर में महिला से मंगलसूत्र लूटकर फरार हुआ स्कूटी सवार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के परमानंदपुर में महिला से मंगलसूत्र छीनकर भाग जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, खेत से काम कर घर लौट रही महिला से रास्ते में स्कूटी सवार युवक ने पहले रास्ता पूछा और मौका पाकर उसके गले से मंगलसूत्र छीन लिया। महिला के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी भाग निकला। घटना परमानंदपुर की बताई जा रही है, जो दो दिन पूर्व हुई थी। पीड़िता के पति ने मामले की लिखित सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है।

बकरी चराने के दौरान मारपीट कर घायल की गई महिला की 20 दिन बाद इलाज के दौरान हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर कला गांव के भाटकापुरा निवासी घायल एक महिला की घटना के 20 दिन बाद मौत हो गई है ।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

उक्त गांव निवासी प्रमिला देवी 42 वर्ष खेत में 20 सितम्बर को बंदना सरोज, रोशनी सरोज, चांदनी सरोज चंद्रिका सरोज बकरी चरा रही थी। बताते हैं कि इसकी जानकारी होने पर प्रमिला देवी शिकायत लेकर उक्त लोगों के पास पहुंची तो सभी लोग मिल कर मृतका प्रमिला को घेर कर मारा पीटा। घटना में मृतका के हाथ की हड्डी टूटकर बाहर आ गई नाक और मुंह से खून आने लगा था। प्रमिला के परिजन तुरंत उनको उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लाए थे जहा से डाक्टर ने जौनपुर सदर हॉस्पिटल रेफर किया। इलाज के दौरान मंगलवार की रात में 20 दिन बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर बुधवार को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। प्रभारी उपनिरीक्षक शान मोहम्मद ने बताया है कि मामले में मृतका शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद मारपीट के मुकदमे में धारा परिवर्तित की जाएगी।

जौनपुर में बाइक सवार को बचाने के चक्कर में टेंपो पलटा, आधा दर्जन से ज्यादा लोग हुए घायल

रामपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के यादव नगर बाजार में एक टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सवार पांच लोग घायल हो गए।

घटना की वजह बाइक सवार को बचाने की कोशिश बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गंधौना मधुपट्टी गांव के निवासी अरविंद मिश्रा उर्फ पिंटू यादव नगर बाजार में लिंक रोड से अचानक सड़क पर आ गए। सामने बाइक सवार को देखकर टेंपो चालक बाइक को बचाने में अनियंत्रित हो गया और सड़क पर ही पलट गया। घटना में नरहरपुर गांव के अच्छे लाल शर्मा, उनकी पत्नी सुधा, बेटा सनी और दो अन्य लोग घायल हो गए। टेम्पो सवार सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर में चल रहा है। बाइक सवार अरविंद मिश्रा उर्फ पिंटू मछलीशहर तहसील में कानूनगो पद पर तैनात हैं।

अयान हत्याकांड की विवेचना करेंगे खुटहन के थानाध्यक्ष

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज के उसरहट्टा गांव में गत गत 18 जुलाई को 10 वर्षीय बालक अयान की गोली मारकर हत्या के मामले की निश्पक्ष विवेचना न्यायालय द्वारा खुटहन थानाध्यक्ष को सौंपी गई है। सनद रहे कि शाहगंज के मिल्तनगर निवासी अबूदास ने 18 जुलाई को कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसका 10 वर्षीय पोता अपने मामा अतीकुर्रहमान के साथ पड़ोस के फैजान के घर गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद अरंद गांव निवासी आदिल ने अयान को गोली मार दिया था। उपचार के दौरान अयान की मौत हो गई थी। घटना के बाद से ही सभी आरोपित फरार चल रहे हैं। न्यायालय द्वारा आरोपितों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू वारंट जारी कर दिया गया है। थानाध्यक्ष चन्दन कुमार राय ने बताया कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। बहुत जल्द आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

◆ बीएचयू ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान हुई मौत

रामपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के अकरा मोड़ पर मंगलवार को हुए सड़क हादसे में घायल युवक की बीएचयू ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रीतेश पटेल (30) पुत्र लालमन पटेल निवासी रसुलहा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, प्रीतेश पटेल अपनी बाइक से रामपुर से घर जा रहा था, तभी उल्टी दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर के रोटावेटर की चपेट में आ गया। हादसे में उसका दाहिना पैर कट गया था। परिजन उसे इलाज के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर ले गए, जहां मंगलवार देर शाम उसकी मौत हो गई। अभी तक ट्रैक्टर और चालक का पता नहीं चल पाया है।

घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भरत मिलाप पर निकली झांकियां व लाग

◆ ऐतिहासिक भरत मिलाप को देखने उमड़ी भीड़

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर कस्बे का ऐतिहासिक भरत मिलाप बुधवार की रात धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न चारों भाईयों के मिलन पर श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर जयकारे लगाये। इस ऐतिहासिक भरतमिलाप को देखने भीड़ उमड़ पड़ी थी। देर रात कस्बा के गौरा और बंजारेपुर रामलीला व भरत मिलाप समिति के द्वारा जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा कस्बे में निकाली गयी। इस दौरान डीजे साउंड की धुन पर युवा नाचते गाते रहे। शोभायात्रा में दर्जनों आकर्षक लाग व झांकियां शामिल रहीं। जुलूस का समापन गुरुवार को सुबह हुआ। इस दौरान दोनों रामलीला और भरतमिलाप समितियों के पदाधिकारी और सदस्य व्यवस्था में लगे रहे। शांति व्यवस्था को लेकर सीओ केराकत अजीत रजक व थानाध्यक्ष प्रवीण यादव नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश सोनकर मोहम्मद शाहिद नवीन साहू अजीत सोनकर व्यापार मंडल अध्यक्ष लल्लन सिंह अजीत चौहान धर्मेंद्र जायसवाल धर्मेंद्र गुप्ता के साथ ही जनपद के कई थानों की फोर्स व पीएसी के जवान चक्रमण करते रहे।

महिला से ठगी मामले में पुलिस को अभी तक नहीं मिल सका कोई ठोस सुराग

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जागरूकता अभियानों के बावजूद ठगों के हौसले बुलंद हैं। नगर के पुरानी बाजार इलाके में तंत्र-मंत्र का झांसा देकर एक महिला से सोने के जेवर ठग लिए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की है, जिसके बाद पुलिस जांच में जुटी है।

पुड़िया तंत्र का झांसा देकर ठगों ने महिला से उड़ाए सोने के जेवर

घटना बीते रविवार 12 अक्टूबर की शाम की है। पुरानी बाजार निवासी लीलावती अग्रहरि, पत्नी महेंद्र अग्रहरि, घर से सब्जी लेने के लिए बाजार गई थीं। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात युवक ने उनसे बातचीत शुरू की और एक मंदिर का पता पूछते हुए उन्हें बातों में उलझा लिया। बातों ही बातों में युवक ने खुद को एक डॉक्टर मित्र का परिचित बताया और कहा कि आप बहुत परेशान रहती हैं, पैसा हाथ में टिकता नहीं। जब लीलावती ने सहमति में सिर हिलाया तो युवक ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने कभी 'सोना की पूजा' की है। जब महिला ने इंकार किया, तो युवक ने कहा कि वह एक 'मंत्र' मारकर उनकी सारी परेशानियां खत्म कर सकता है। इस बहाने उसने लीलावती से कान का झाला और मंगलसूत्र उतरवाने को कहा। इसी बीच उसका दूसरा साथी भी वहां पहुंच गया, जिसे वह डॉक्टर बता रहा था।

दोनों ठगों ने मिलकर गहनों को एक कपड़े की पुड़िया में बांधा और कहा, 'इसे घर जाकर ही खोलना, सब कुछ ठीक हो जाएगा।' भरोसा कर लीलावती पुड़िया लेकर घर पहुंचीं। जब उन्होंने उसे खोला तो अंदर कुछ नहीं था – सोने के जेवर गायब थे। घटना का अहसास होते ही लीलावती ने दूसरे दिन कोतवाली पुलिस में लिखित तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और ठगों की तलाश जारी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अंजान व्यक्तियों की बातों में न आएं और किसी भी तरह के तंत्र-मंत्र या पूजा-पाठ के झांसे से सतर्क रहें। फिलहाल कोतवाली पुलिस को अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नही लग सका है।

स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएः विधायक

स्वदेशी सामानों की खरीददारी से होगा अपना देश मजबूतः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में जनपद स्तरीय यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है, जिसकी भव्यता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जहाँ एक तरफ लोगो के द्वारा स्वदेशी उत्पादों को पसंद किया जा रहा है वही दूसरी ओर उत्पादों की बिक्री भी बढ़ती जा रही है, लोगो का पसंद बनता जा रहा हस्तनिर्मित उत्पाद।

ज्यादातर स्वदेशी उत्पादों में गाय के गोबर के बने दीये, मिट्टी के सामानों, सजावटी उत्पादों और हाथों से बने स्वादिष्ट अचार, मुरब्बा आदि को पसंद किया जा रहा है इसके साथ ही घरों को स्वच्छ रखने के उत्पादों जैसे हैंडवास, फिनायल, ट्वायलेट क्लीनर सहित अन्य सामग्री को भी ग्राहको द्वारा पसंद किया जा रहा है। आज स्वदेशी मेले के आठवें दिन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकप्रिय विधायक विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विशिष्ट अतिथि अजीत प्रताप सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र सहित अन्य प्रबुद्धजनों के द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर और फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सभी अतिथिगण को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि के द्वारा विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन करते हुए खादी के वस्त्र, साड़ी, अचार, मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित दरवाजा तोरन सहित अन्य उत्पादों की खरीददारी करते हुए अन्य लोगों को भी स्वदेशी उत्पादों को प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया गया। विधायक के द्वारा किसान बंशराज को कृषि विभाग के द्वारा अनुदानित ट्रैक्टर की सांकेतिक चाभी और सीएम युवा उद्यमी के लाभार्थी अमरजीत सिंह को सांकेतिक चेक प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के 2047 में विकसित भारत की

विधायक द्वारा की गयी स्वदेशी उत्पादों की खरीददारी

संकल्पना तभी साकार होगी जब प्रदेश, जिला, तहसील, और ग्राम पंचायते, विकसित होगी जिसके लिए आवश्यक होगा कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढावा दिया जाए। युवाओं का आत्मनिर्भर बनाने के उददेश्य में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की शुरूआत की गयी जिससे युवा अपने जनपद में ही स्वरोजगार शुरू कर सके। उन्होने स्वदेशी मेले में बिक्री हेतु वस्तुओं के पैकेजिंग की सराहना की।

विधायक के द्वारा अपील किया गया कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी कर देश को विकसित बनाने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि हर वह चीज स्वदेशी है जिसमें किसी भारतीय का पसीना और मेहनत शामिल है। उन्होंने देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र अपनाकर 'मेक इन इंडिया' उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि 'स्वदेशी' अभियान को बढ़ावा देने के लिए इस मेले का आयोजन किया गया है। इनका उददेश्य लोगों को विदेशी सामानों की जगह अपने देश अपने जनपद में बने सामान खरीदने के लिए प्रेरित करना है। शासन की मंशा है कि लोग अधिक से अधिक संख्या में स्वदेशी उत्पादों की खरीददारी करके भारतीय कारीगरों और उद्योगों को सपोर्ट करें। जब हम अपने देश और जनपद का सामान खरीदते हैं, तो यह पैसा देश और अपने जनपद में ही रहता है और रोजगार बढ़ता है। यह 'स्वदेशी' अभियान अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

कार्यक्रम का संचालन पीडी आत्मा डा0 रमेश चन्द्र के द्वारा किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक के0के0 पाण्डेय, उपनिदेशक कृषि हिमान्शु पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, उपयुक्त उद्योग सन्दीप कुमार, सहायक उद्योग जय प्रकाश सहित अन्य उपस्थित रहे।

हेलमेट भूलना पड़ा महंगा, शाहगंज में आठ बाइकर्स का कटा चालान

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गुरुवार को नगर के व्यस्ततम क्षेत्र जेसीज चौक पर यातायात पुलिस द्वारा दोपहिया वाहनों की व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से बाइक सवारों में हड़कंप मच गया।

चेकिंग अभियान का नेतृत्व कर रहे यातायात पुलिस हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान तीन सवारी चलाने, ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल), प्रदूषण प्रमाणपत्र, हेलमेट समेत अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। इस दौरान नियमों

का उल्लंघन करते पाए गए कुल आठ वाहन चालकों के चालान काटे गए।

अचानक हुई इस सघन जांच के चलते कई बाइक सवार चालान से बचने के लिए गलियों का रुख करते नजर आए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें, हेलमेट अवश्य पहनें और वाहन के सभी दस्तावेज समय पर नवीनीकृत रखें।

खासदार हेमंत सावरा की उपस्थिति में अन्य दलों के पदाधिकारियों का भाजपा में प्रवेश

जव्हार, पालघर। पालघर जिले के जव्हार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए। इस अवसर पर पालघर के खासदार हेमंत सावरा, बाबाजी कथोले एवं तालुका अध्यक्ष कुणाल उदावंत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा में शामिल होने वाले कार्यकताओं का औपचारिक स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति तथा संगठनात्मक मूल्यों से अवगत कराया गया। खासदार सावरा ने सभी नए कार्यकताओं को जनसेवा की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। भाजपा में शामिल होने वालों में प्रहार जनशक्ति संगठन के जव्हार अध्यक्ष विश्वास भारित और उनके समर्थक कार्यकर्ता शामिल थे। इसके अलावा शिंदे गुट के प्रमुख पदाधिकारी रोहित बोरसे एवं उनके सहयोगियों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन नए सम्मिलनों से भाजपा को न केवल क्षेत्रीय स्तर पर नई ऊर्जा और शक्ति प्राप्त हुई है, बल्कि जनाधार भी सुदृढ़ हुआ है। पार्टी ने सभी नए कार्यकताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए भविष्य में संगठन के लिए उनके योगदान की अपेक्षा व्यक्त की।

पालघर जिला योजना समिति की बैठक में शामिल हुई विधायक स्नेहा दुबे

पालघर। पालघर जिला कलेक्टर कार्यालय में आज जिला योजना समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पालघर जिले के संरक्षक मंत्री एवं महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक ने की। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, कृषि और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वसई विधानसभा क्षेत्र की जनप्रतिनिधि के रूप में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस बैठक में भाग लेकर क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। उन्होंने वसई क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं को समिति के समक्ष रखा और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गावित, विधायक हरिश्चंद्र भोये, विधायक विनोद निकोले, पालघर की जिला कलेक्टर श्रीमती इंदु रानी जाखड़, वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त एवं प्रशासक मनोज कुमार सूर्यवंशी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जिले के समग्र विकास के लिए आपसी समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

सनातन सेना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजित सिंह से मुलाकात

मालाड, मुंबई। मुंबई के मालाड स्थित जनसंपर्क कार्यालय में सनातन सेना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजित सिंह एवं रणजीत से एक विशेष मुलाकात संपन्न हुई। इस मुलाकात में समाज सेवा और मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। चाय पर हुई इस विचारशील चर्चा में मानवता की कोई जात नहीं होती, सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है जैसे विचारों को प्रमुखता दी गई। इस अवसर पर सामाजिक बदलाव और जनसेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इस विशेष मुलाकात में समाजसेवा से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन (महाराष्ट्र एवं मुंबई) के प्रतिनिधि, सुखविंदर सिंह (लाला भाई), ज्योति श्रद्धा गोरगे, तथा अन्य समाजसेवक एवं समाजसेविकाएँ शामिल थीं।

जगदीशपुर में जेडीयू विधायक प्रत्याशी का ढोल नगाड़े के धुन पर हुआ स्वागत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में जेडीयू प्रत्याशी हेमनारायण शाह के साथ कुछ लड़कों ने अभद्र व्यवहार की थी। जिसपर गांव के सम्मानित लोगों ने दुख प्रकट करते हुए जदयू प्रत्याशी हेमनारायण शाह को वृहस्पतिवार को पुनः जगदीशपुर गांव के हरि सिंह के निवास पर बुला कर ढोल नगरे की आवाज पर स्वागत किया। एक-एक व्यक्तियों ने जदयू प्रत्याशी को शॉल देकर माला पहनाया और महाराजगंज के प्रत्याशी से सड़क को निर्माण करने की मांग की। प्रत्याशी ने जीत का आशीर्वाद मिलने पर जनता का काम करने का आश्वासन दिया। मौके पर हरि सिंह, जिला के बीजेपी के मंत्री अवधेश पांडेय, नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, गुड्डू सिंह, दिलीप सिंह,शशिकांत तिवारी, नवीन पांडे के अलावा सैकड़ो लोग मौजूद थे।

भूख, कुपोषण मुक्ति के लिए सभी का सहयोग जरूरी: डॉ मनीष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस पर गुरुवार को एक जागरूकता व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने किया।

मुख्य वक्ता डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका अहम है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा, पोषण और सतत कृषि को बढ़ावा देने तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग व खाद्य अपव्यय को रोकने की आवश्यकता बताई। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. एस. पी. तिवारी ने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भविष्य के लिए वैकल्पिक भोजन पर कार्य करने की आवश्यकता है। डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिलावट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एंटीबायोटिक्स के स्थान पर प्रोबायोटिक्स का उपयोग बढ़ाना चाहिए।

डॉ. दिनेश ने ऋतु आधारित भोजन ग्रहण करने की सलाह दी, जबकि डॉ. सिपाही लाल ने प्राकृतिक आहार को सर्वोत्तम बताया। पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक पांडे ने संतुलित पोषणयुक्त भोजन को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. मारुति, डॉ. अवधेश कुमार और डॉ. चंद्रशेखर ने भी अधिक से अधिक जनजागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन छात्राएं स्नेहा मौर्या और साक्षी ने किया। कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी की शोध छात्राएं मंजूषा सिंह और आतिफा हफीज सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

महाराजगंज में चुनावी माहौल में निषेधात्मक कार्रवाई तेज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार में आगामी विधान सभा चुनाव 2025 के दौरान सीवान जिला प्रशासन के आदेश पर महाराजगंज मंडल क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से महाराजगंज अनुमंडल के एसडीपीओ अमन कुमार के निर्देश पर 112- महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के थाना क्षेत्र के पुलिस ने सुसंगत धाराओं के तहत व्यापक निषेधात्मक कार्रवाई की है। अनुमंडल न्यायालय कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल 2025 से 27 सितम्बर 2025 तक आठ थानों के अंतर्गत कुल 60 प्रस्ताव धारा-126 में दायर किए गए, जिनमें 2175 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। इनमें सबसे अधिक मामले भगवतपुर हाट थाने में दर्ज हुए हैं, जहां 18 प्रस्तावों के तहत 489 व्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है। वहीं, महाराजगंज थाना में 9 प्रस्तावों में 523 व्यक्तियों को शामिल किया गया है । सभी 2175 व्यक्तियों के विरुद्ध नोटिस निर्गत किया गया है, जिसमें से 1469 मामलों में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कर रिपोर्ट प्राप्त हुई है।धारा-135 के तहत संपत्ति जप्त-धन कुर्क करने की प्रक्रिया के अंतर्गत 1073 व्यक्तियों की सूची तैयार की गई। महाराजगंज थाने में सबसे अधिक 273 व्यक्तियों की सूची बनाई गई, जबकि जीबी नगर थाने में सबसे कम 66 व्यक्तियों का नाम दर्ज है।अधिकारियों का कहना है कि चुनावी अवधि में अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस सतर्कता से कार्रवाई कर रही है तथा निषेधात्मक प्रस्तावों व संपत्ति जप्ती के मामलों में तेजी लाई गई है। चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी जारी है।

दीपिका पादुकोण एक्सपीरियंस अबू धाबी की नई ब्रांड एंबेसडर बनीं

मुंबई/अबू धाबी। अबू धाबी के डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म (डीसीटी अबू धाबी) के एक्सपीरियंस अबू धाबी डेस्टिनेशन ब्रांडने दीपिका पादुकोण को नया रीजनल ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। दीपिका अपने पति और बॉलीवुड आइकॉन रणवीर सिंग के साथ इस अभियान में शामिल हुई हैं। रणवीर सिंग 2023 से एक्सपीरियंस अबू धाबी के ब्रांड एंबेसडर हैं, और दोनों मिलकर अबू धाबी का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले बॉलीवुड पावर कपल बन गए हैं। इस अभियान के जरिए वे अबू धाबी को हर यात्रियों से व्यक्तिगत और भावनात्मक तरीके से जुड़ने वाले स्थान के रूप में पेश करेंगे। भारत सहित दुनिया भर के दर्शकों में लोकप्रिय दीपिका पादुकोण अबू धाबी में अपनी यात्रा दर्शकों के सामने पेश करेंगी। वह इस शहर को अनुभवों से भरपूर डेस्टिनेशन के रूप में दिखाएंगी, जहां हर किसी के लिए देखने, करने और अनुभव करने के लिए कुछ न कुछ है। बॉलीवुड पावरहाउस रणवीर सिंह ने कहाः अबू धाबी फैमिली के लिए सबसे बेहतरीन जगह है। यहाँ संस्कृति, एडवेंचर, बीचेस, एंटरटेनमेंट - सब कुछ है जो आप चाहते हैं। मुझे कई सालो से इस शहर को दुनिया के सामने पेश करने का गर्व है, और अब मुझे और भी खुशी है कि मेरी पत्नी दीपिका ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल हो रही हैं, जिससे मैं यह यात्रा उनके साथ अनुभव कर पा रहा हूँ। हम अबू धाबी के परिवार के फैमिली फ्रेंडली आकर्षणों से लेकर अमीराती आतिथ्य की गर्मजोशी तक हर खास चीज का जश्न मना रहे हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ लोग जिंदगी भर की यादें बनाने आते हैं।

राजन महाराज की कथा में प्रेमभूषण महाराज का आशीर्वचन

-लाल शेखर सिंह

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में परानूपुर, कुंडा श्रृंगवेरपुर, प्रतापगढ़ में 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक प्रति दिन अपराह्न 3 से साँय 7बजे तक आनंद पांडे के संकल्प और लोकप्रिय विधायक कुँवर रघुराज प्रताप सिंह(राजा भैया)के संरक्षण में चल रही दिव्य रामकथा के षष्ठम दिवस के सत्र में पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के आगमन को अपना परम सौभाग्य मानते हुए राजन महाराज ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमारे पूज्य महाराजश्री 14 वर्षो बाद मुझे आशीर्वाद देने इस श्रृंगवेर पुर की पावन धरा पर आये हैं यह मेरा और आप सब का परम सौभाग्य और पुण्य है ।पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि इस दिव्यकथा से राजन जी सहित आप सब पर भी भगवान की कृपा बरस रही है और आगे भी बरसती रहे ।श्रृंगवेर पुर के प्रसंग पर पूज्यश्री ने कहा कि कुशा की चटाई पर भगवान और सीता मइया सो रही हैं,लक्ष्मण जी जाग रहे हैं किंतु निषादराज राजा होकर रो रहे हैं। जीव की यही गति है,क्योंकि रामजी जीव नही हैं वे ब्रह्म हैं जो सुखदुख और सकल विकारों से मुक्त हैं ।अतः मन,क्रम, वचन से परमार्थ कार्य करने में ही हमारे जीवन की सार्थकता है। राजन महाराज ने अयोध्या काण्ड की कथा सुनाते हुए हमारे साथ यदि हमारा परिवार भी भजन करने लगे तो इसे अपना परम सौभाग्य मानना चाहिए ।अयोध्या काण्ड को जीवन की युवानी बतलाते हुए राजन महाराज ने कहा भजन बचपन से करने वाला ही पचपन में भजन करेगा ।साठ की उम्र में भजन करने का विचार छोड़ दें ।सोनेवाले जाग मुसाफिर संसार मुसाफिर खाना है..भगवान राम ने वनवास स्वीकार कर लिया इसीलिए वे आनंद में हैंपरिस्थिति को स्वीकार करने वाला विपत्ति में भी मुस्कराता रहेगा ।सद्गुरु की कृपा के बिना यह मन निर्मल हो नही सकता है ।भगवान की कथा मनुष्य को जीवन के चारों फल प्रदान करती है। विवाह के बाद 11वर्षों तक अयोध्या में मंगल उत्सव मनाया गया ।शरीर की इंद्रियां भी संदेश देती है उसके संकेत को समझकर जीवन व्यवहार करना हमारे लिए श्रेयस्कर होता है। अपने सफेद बालों को देखकर अयोध्या नरेश दशरथ राजसत्ता रामजी को सौंपने का निर्णय लेते है यह प्रसंग हमें संदेश देता है कि यदि संतान योग्य हो गयी हो तो उसे सब कुछ सौंप कर जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाना चाहिए ।एक रात्रि के विलंब से रामजी को वनवास हो गया अर्थात श्रेष्ठ और परमार्थ कार्य करने में विलंब कभी नही करना चाहिए।

इस प्रकार मानस महाकुम्भ में उमड़े अपार श्रद्धालुओं के साथ प्रतापगढ़ से ब्रह्मचारी बाबा,सपरिवार प्रयागराज के कमिश्नर के .एन.श्रीवास्तव, निषादराज के वंशज डॉ .पी. के. कश्यप, बलिया से राकेश सिंह आदि जनों ने भी अवगाहन का लाभ प्राप्त किया।

डॉ. हेमंत सांवरा ने की पालकमंत्री से मुलाकात, किसानों के हक में हुई अहम बैठक

पालघर। पालघर जिले में हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री नामदार गणेश नाइक की अध्यक्षता में पालघर जिला कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। इस बैठक का आयोजन डॉ. हेमंत सांवरा द्वारा पालकमंत्री को भेजे गए पत्र के आधार पर किया गया था, जिसमें उन्होंने किसानों की भूमि क्षति, कार्य से उत्पन्न कठिनाइयाँ और मुआवजे की मांगों को लेकर चिंता जताई थी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं किसान प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रभावित किसानों की समस्याओं पर गंभीर चर्चा की गई और उचित मुआवजा तथा न्याय दिलाने हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी मामलों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और किसानों के पक्ष में न्यायसंगत निर्णय लें। डॉ. हेमंत सांवरा ने बैठक के पश्चात कहा, श्यह केवल एक शुरूआत है। किसानों की जमीन और अधिकारों की रक्षा के लिए हम हर स्तर पर संघर्ष करते रहेंगे। सरकार ने सकारात्मक संकेत दिए हैं, और हमें उम्मीद है कि किसानों को शीघ्र ही उनका हक मिलेगा। यह बैठक किसानों के अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मानी जा रही है, जो आने वाले समय में ठोस निर्णयों का आधार बन सकती है।

काटन ग्रीन रामलीला का भव्य कवि सम्मेलन संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई की सबसे पुरानी रामलीलाओं में से एक कॉटन ग्रीन रामलीला समिति मुंबई की रामलीला सम्पन्न हो गई। भगवान राम के उसी मंच पर राम मंदिर प्रांगण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हास्य कवि सुरेश मिश्र के सफल संचालन में लाफ्टर चैंपियन फेम सुनील सावरा, बालाघाट से पधारीं श्रीमती माधुरी किरण, डाक्टर राज बुंदेली, ज्ञान प्रकाश गर्ग, बसंत आर्य, राघवेन्द्र त्रिपाठी, एड्. आर वी गुप्ता और लखनऊ से आए ब्रजेश शुक्ल ने अपनी कविताओं से साहित्य रसिकों को लोटपोट कर दिया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता विमल दूबे ने किया। श्री आदर्श रामलीला समिति काटन ग्रीन के अध्यक्ष पं.राधेश्याम मिश्र ने विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य विधायक अजय चौधरी, विधायक मनोज जामसुतकर, नवभारत अखबार के संपादक बृज मोहन पांडेय, हिंदी सामना अखबार के संपादक अनिल तिवारी, एनसीपी नेता पारस नाथ तिवारी, साहित्य कला मंच के महासचिव विनय मिश्रा, समाजसेवी विमलधर दूबे, विजय लोखंडे,जय सिंह भोसले, मेहबूब खान, बाबा मिसाल, त्रिलोकी मिश्रा,तारक शाह, पूर्व नगरसेवक राम वचन मुराई, लल्लन गुप्ता, डॉ. गौरव मिश्रा, वरुण त्रिपाठी, राम सुरेश लोध का शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। रामलीला महोत्सव और कवि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समिति के ओमप्रकाश पांडेय, रामकृष्ण पांडेय, के के मिश्रा, उमाशंकर पांडेय, शिव कुमार सिंह, प्रतीक मिश्र, राकेश यादव, निलेश मिश्रा ने अथक प्रयास किया। हजारों रामभक्तों और साहित्य रसिकों की उपस्थिति में आयोजित कवि सम्मेलन ऐतिहासिक रहा।

खाद्य व पोषण सुरक्षा हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है: डॉ अभय

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज गोरख सिंह कॉलेज में छात्रों व प्राध्यापकों के बीच खाद्य दिवस पर चर्चा की गई। कॉलेज के निदेशक डॉ अभय कुमार सिंह ने कहा खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा दोनों हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वास्थ्य सुरक्षित खाद्य पदार्थों का सेवन करने से हम बीमारियों से बचे रहते हैं। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होने पर हम अपने जीवन को बेहतर तरीके से जी सकते हैं। शारीरिक विकास के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार हमारे शारीरिक विकास में मदद करता है। पोषण सुरक्षा मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है। डॉ अभय ने कहा दोनों का संतुलन हमारे जीवन को स्वस्थ और सुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मौके पर शैक्षणिक निर्देशिका वीणा सिन्हा, प्रो धीरेंद्र सिंह, प्रो अनिल सिंह, प्रो विजय चौधरी, प्रो जगदीश सिंह आदि प्राध्यापक व महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

पांच दिवसीय स्वर्णमई अन्नपूर्णा दर्शन कों लेकर महंत शंकरपुरी ने सम्बोधन किया

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रत्येक वर्ष धनतेरस से शुरू होने वाली स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दर्शन इस वर्ष 18 अक्तूबर(धनतेरस पर्व) से शुरू होगा, जो अन्नकूट पर्व 22 तक चलेगा। दर्शन-पूजन और आयोजन के संदर्भ में गुरुवार को अन्नक्षेत्र के दूसरी शाखा में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिसमें महंत शंकर पूरी ने बताया कि धनतेरस से शुरू हो रहे स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दर्शन अन्नकूट के दिन तक चलेगा। आने वाले भक्तों को बांसफाटक कोतवालपुरा गेट न. ढूंढीराज गणेश होते हुए मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। अस्थायी सीढ़ियों से भक्त मन्दिर के प्रथम तल पर स्थित स्वर्णमयी माता के परिसर में पहुंचेंगे। गेट पर ही माता का खजाना और लावा वितरण भक्तों में किया जाएगा। भक्त पीछे के रास्ते से राम मंदिर परिसर होते कालिका गली से निकास दिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर में जगह-जगह वालेंटियर अपने पहचान पत्र के साथ तैनात किए जाएंगे। धनतेरस की भोर में 4 बजे महाआरती लक्ष्मी पूजन कर 5 बजे आम भक्तों के श्राद्धलुओ के लिए माँ के कपाट खोल दिए जायेंगे।

कामत्स लेगेसी लेकर आया साउथ वाली दिवाली

मुंबई। दिवाली के त्योहार को स्वाद और परंपरा के अनोखे संगम के साथ मनाने के लिए कामत्स लेगेसी, जो विक्रम कामत्स हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के अंतर्गत आता है, ने एक विशेष साउथ वाली दिवाली मेन्यू लॉन्च करने की घोषणा की है। यह मेन्यू 17 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2025 तक मुंबई के सभी आउटलेट्स वाशी, मालाड, नरिमन पॉइंट और मीरा रोड में उपलब्ध रहेगा। इस साल कामत्स लेगेसी ने दिवाली को दक्षिण भारतीय स्वादों के संग नए रूप में पेश किया है। नया मेन्यू पारंपरिक और आधुनिक व्यंजनों का मनमोहक मिश्रण है, जिसमें 39 से अधिक स्वादिष्ट और पौष्टिक डिशेज शामिल हैं। इनमें रागी और रवा आधारित इडली-डोसा वैरिएशन, यैम फ्राई के नए फ्लेवर, पारप्पु वड़ा, मशरूम फ्राई, इमली और नींबू चावल जैसे चावल के व्यंजन, और मुख्य कोर्स में गुन्टूर सोया करी व बालेकायी कायरसा शामिल हैं। बच्चों के लिए खास चाइल्ड मेन्यू भी तैयार किया गया है जिसमें साउथिज्जा, चीजी बेने डोसा, और मनोरंजक कॉम्बो मील्स शामिल हैं। वहीं, कामत्स लेगेसी स्पेशल्स में थेंगा चम्मन्थी विद राइस और इड्डी स्ट्यू जैसे स्वादिष्ट विकल्प हैं। साथ ही, जैन ग्राहकों के लिए भी खास वैरिएंट्स जोड़े गए हैं। इस अवसर पर डॉ. विक्रम कामत, फाउंडर और चेयरमैन, विक्रम कामत्स हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने कहा, कामत्स लेगेसी में हम मानते हैं कि हर त्योहार भोजन, परिवार और एकजुटता का उत्सव है। इस बार हमने दिवाली को दक्षिण भारत के स्वादों से जोड़ा है ताकि भारत की विविध पाक-संस्कृति का सम्मान करते हुए परंपरा की गर्मजोशी को बरकरार रखा जा सके। हमारे लिए भोजन हमेशा से उत्सव का केंद्र रहा है।

स्वच्छ परिसर, स्वस्थ जीवन के संदेश के साथ चला स्वच्छता अभियान

व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने की कक्षाओं की सफाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में स्वच्छ भारत अभियान के तहत गुरुवार को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विभाग के सभी छात्र-छात्राओं, सीनियर्स और जूनियर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कक्षाओं की सफाई की, डेस्क-बेंचों को सुव्यवस्थित किया, फर्श को साफ किया तथा नोटिस बोर्ड को सुसज्जित किया। एकत्रित कूड़े-कचरे को उचित स्थान पर निस्तारित कर छात्रों ने स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी का परिचय दिया। प्रो. अजय द्विवेदी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और ऊर्जा के साथ स्वच्छता का संदेश फैलाया। इस अवसर पर डॉ. आलोक गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। अभियान में आंचल विश्वकर्मा, विवेक, अपेक्षा, कंचन, शिवांगी, ज्योति, आरती सहित अनेक छात्र-छात्राएँ सक्रिय रूप से उपस्थित रहीं।

जिलाधिकारी के प्रयास से समर्थ पोर्टल पर अपने सुझाव देने में जनपद पहुंचा शीर्ष पर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के ₹विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की संकल्पना को साकार करने की दिशा में जनपदवासियों ने समर्थ पोर्टल पर अपने अमूल्य सकारात्मक सुझाव देते हुए जनपद को शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। जिलाधिकारी ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर समस्त जनपदवासियों, समस्त उपजिलाधिकारी, बीडीओ, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, सहित समस्त विभागों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा तथा मुख्य सचिव के निर्देशन में लगातार समर्थ पोर्टल की मॉनिटरिंग की जा रही है और आप सभी के सहयोग और प्रयास से ही संभव हो सका है कि आज हम विकसित देश की संकल्पना को साकार करने की दिशा में प्रदेश में शीर्ष पर है। उन्होंने मीडिया बंधुओं का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी ने सराहनीय कार्य किया है। साथ ही उन्होंने सभी से अपील किया कि 31 अक्टूबर 2025 तक सुझाव लिए जाने हैं आप सभी अधिक से अधिक सुझाव देते हुए जनपद को शीर्ष पर बनाए रखें तथा जनपदवासियों की शतप्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित कराएं। 2047 तक प्रदेश को विकसित बनाने के लिए समर्थ पोर्टल पर कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित 12 सेक्टर तथा तीन थीम से संबंधित सुझाव मांगे जा रहे हैं, जिससे देश और प्रदेश को विकसित बनाने में दिए जा रहे सुझाव को विजन डॉक्यूमेंट में सम्मिलित किया जा सके तथा विकसित भारत को बनाने में जनभागीदारी सुनिश्चित किया जा सके। विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक, भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष में, देश को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस लक्ष्य में समावेशी आर्थिक भागीदारी, मजबूत आर्थिक आधार, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक समानता, और प्रौद्योगिकी व नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है, इसका उद्देश्य 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना और सभी नागरिकों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। भारत सरकार का विजन 2047 समावेशी विकास, नवाचार, स्थिरता और सुशासन पर केंद्रित है, जिससे समाज के हर वर्ग की समृद्धि सुनिश्चित होती है। नागरिक MyGov पोर्टल के माध्यम से भी विकसित भारत 2047 के लिए अपने विचार साझा कर सकते हैं।

नागपुर ग्रामीण पुलिस ने गांजा बिक्री आरोपी को गिरफ्तार किया

नागपुर। को गांजा बिक्री के संबंध में प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर खापा पोस्ट ऑफिस, सावनेर क्षेत्र के अंतर्गत खापा कस्बे में छापा मारा गया। महिला आरोपी जिसका नाम गम.भा. लीलाबाई गणपति पराते, उम्र 66 वर्ष और उसका बेटा जिसका नाम नाम ईश्वर गणपति पराते, दोनों उम्र 45 वर्ष, हनुमान घाट, लांबटपुरा खापा, ताल. सावनेर, जिला. नागपुर के निवासी हैं, अपने निवास पर मादक पदार्थ गांजा का भंडारण और बिक्री करते पाए गए। उनके पास से 1.505 किलोग्राम गांजा अन्य सामग्री के साथ और कुल 44,060/- रुपये जब्त किए गए हैं। साथ ही, आगे की जांच (उन आरोपियों का पता लगाने के बाद जो उन्हें गांजा की आपूर्ति कर रहे थे) के बाद, पोस्ट खापा में 4 आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 (ए), 20 (बी) (ii) (बी), 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि उपरोक्त कार्य पुलिस अधीक्षक नागपुर ग्रामीण हर्ष पोद्दार, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल मस्के, उपविभागीय पुलिस अधिकारी सावनेर प्रभार पराग पोटे के मार्गदर्शन में छः पुलिस अधिकारी निरी अजीतसिंह देवरे, पुलिस उपनिरी प्रवीण भीमटे, पुलिस अधिकारी हवा प्रवीण देवरे, दिनेश गाडगे, प्रकाश ढोके, अमृत किंगे, अमोल नागरे, पुलिस अधिकारी का अविनाश तोड़साम के मार्गदर्शन में नागपुर ग्रामीण आमली पदार्थ निरोधक दस्ते द्वारा किया गया है।

विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज मांगने का लगाया आरोप

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के ग्राम हरद्वारी निवासी प्रियंका देवी (पुत्री अशोक कुमार) ने अपने ससुराल पक्ष के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाते हुए थानाध्यक्ष बरसठी को तहरीर दी है। दी गयी तहरीर में प्रार्थिनी ने बताया है कि उसकी शादी 29 अप्रैल 2023 को हिन्दू रीति-रिवाज से ग्राम बनकट मनापुर निवासी जितेन्द्र कुमार (पुत्र राजनाथ) के साथ संपन्न हुई थी। विवाह के समय उसके माता-पिता द्वारा अपनी सामर्थ्य के अनुसार मोटरसाइकिल (अपाची), टीवी, फ्रीज, सोने की चेन व अंगूठी, कूलर, पंखा, वाशिंग मशीन, आलमारी, बर्तन सहित 1,11,000 नकद एवं अन्य सामग्री दी गई थी। विवाह के बाद प्रार्थिनी जब ससुराल गई तो उसके पति जितेन्द्र कुमार, ससुर राजनाथ, सास तारा देवी, और देवरगण रविन्द्र कुमार व धर्मेन्द्र कुमार ने उससे पाँच लाख रुपये व बुलेट मोटरसाइकिल की माँग की। जब उसने बताया कि उसके पिता लखनऊ में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं और इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थ हैं, तब सभी अभियुक्तों ने उसे शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

प्रियंका देवी के अनुसार, 18 फरवरी 2024 को उसे बुरी तरह मारा-पीटा गया, फिर भी वह चुप रही। इसके बाद 17 अप्रैल 2024 को पुनः दहेज की माँग को लेकर ससुराल पक्ष ने फिर मारपीट की। तब उसने अपने पिता अशोक कुमार और भाई आदर्श कुमार को फोन कर पूरी बात बताई। पिता और भाई के पहुँचने पर वह मायके चली आई। मायके आने से पहले उसने अपने गहने जैसे करधन (चाँदी), हाथ की मेहंदी, माँगटीका (सोना), हार (सोना) और मायके से मिला झुमका (सोना) अपनी आलमारी में सुरक्षित रखे थे। उसके एक करीब दो वर्ष की पुत्री भी है। प्रार्थिनी ने आरोप लगाया कि 18 अप्रैल 2024 को उसके ससुर राजनाथ और देवर धर्मेन्द्र कुमार मायके आए और बोले कि ह्लजब तक माँग पूरी नहीं होगी, तब तक तुम्हें नहीं ले जाएंगे। इसके बाद से ससुराल पक्ष के लोग फोन पर लगातार दहेज की माँग कर रहे हैं। पीड़िता ने पुलिस से गुहार लगाई है कि विपक्षीगण के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। थाना बरसठी पुलिस ने बताया कि तहरीर प्राप्त कर मामले की प्राथमिक जाँच शुरू कर दी गई।

जौनपुर में मानसिक बीमार वृद्ध महिला की ट्रेन से कटकर मौत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज जौनपुर रेल प्रखंड पर गुरुवार को तारगहना रेलवे क्रॉसिंग के पास एक वृद्ध महिला की इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर मौत हो गई । मृतका की पहचान नगर पंचायत खेतासराय के पोस्ट ऑफिस मोहल्ला निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद लाश को पीएम के लिए भेज दिया । बताया जाता है कि उक्त मुहल्ला निवासी प्रेमा देवी (65) वर्ष पति स्व पतिराम यादव की दिमागी हालात ठीक नही थी । चरवाहो ने यह सूचना स्टेशन मास्टर को दिया। आशंका जताई जा रही 11:25 पर बहराइच से वाराणसी जा रही इंटर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर 14214 की चपेट में आ गई । वहीं पुलिस का कहना है कि वृद्धा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी उसके परिजनों ने बताया कि बार-बार घर में बंद करने के बावजूद भी वह घर से बाहर भाग जाती थी कब यह घटना घटी किसी को नहीं पता चला।

उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष अक्षैबर तिवारी का निधन

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष, ट्रस्टी तथा संघ के कई पदों पर रहकर संस्था के लिए समर्पित भावना के साथ काम कर चुके अक्षैबर तिवारी का आज लालबाग स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों में शोक की लहर दौड़ गई। संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन ने कहा कि खासकर लालबाग, प्रभादेवी और दादर स्थित उत्तर भारतीय संघ की शाखाओं के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके व्यक्तित्व और कार्यों को हमेशा याद किया जाता रहेगा। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक संजय उपाध्याय, वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, उपाध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष डॉ किशोर सिंह, उपाध्यक्ष रमेश बहादुर सिंह, महामंत्री देवेंद्र तिवारी, प्रहलाद पांडे समेत अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

मधु कुमावत का पशु चिकित्सा एव पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रबंध मंडल में मनोनयन

सीकर। राज्य सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य विभाग ने सामाजिक कार्यकर्ता मधु कुमावत को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रबंध मंडल में सदस्य मनोनीत किया है। राज्य सरकार द्वारा गठित प्रबंध कमेटी में मनोनयन किए गए सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष का रहेगा। श्रीमती कुमावत के इस मनोनयन पर उनके शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की हैं। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल में सीकर से मधु कुमावत के अलावा बीकानेर से जगमाल सिंह रायका पाली से करण सिंह राजपुरोहित तथा खाजूवाला से विधायक विश्वनाथ मेघवाल का मनोनयन किया गया है।

बहुजन विकास अघाड़ी के मोहक पाटिल सहयोगी सहित भाजपा में शामिल

नालासोपारा। नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और विधायक राजन नाइक, सोपारा गांव में बहुजन विकास अघाड़ी के प्रमुख कार्यकर्ता, सेवन आर्ट ग्रुप और सोपारा मित्र मंडल के प्रमुख मोहक पाटिल और उनके सहयोगी, सचिन देसाई, नितिन देसाई, निवास रहाटे, हितेश पाटिल, हितेश निर्मल, जीतेंद्र मेहता, रोहित गोडाम्बे, अक्षय देसाई और 40 से अधिक समर्थकों ने भाजपा से मुलाकात की, वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, वरिष्ठ नेता जोगेंद्र प्रसाद चौबे, मनोज पाटिल, जिला महासचिव मनोज बारोट और भूषण किनी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। नगर अध्यक्ष सतीश सिंह की उपस्थिति रही. उनका स्वागत करते हुए जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल और नेता मनोज पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और इसमें सभी को सम्मान और अवसर दिया जाएगा।

वॉयस सुल्तानपुरी का अंजुमन सज्जादिया ने किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदुस्तान के मशहूर शायर वॉयस सुल्तानपुरी का अंजुमन सज्जादिया मुफ्ती मोहल्ला के महासचिव हसन जाहिद खान बाबू के आवास पर जोरदार स्वागत व अभिनंदन किया गया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान वॉयस सुल्तानपुरी ने कहा कि कर्बला के शहीदों व इमाम हुसैन को नजराने अकीदत पेश करने के लिए उन्होंने अब तक 500 से ज्यादा नौहे लिखे हैं जो हिन्दुस्तान, पाकिस्तान सहित अन्य मुल्कों की अंजुमनें पढ़ती हैं। खास तौर पर उनका यह नौहा - बेसर जो अपने बाप को देखा नशेब में रोई बहुत सकीना नशेब में... पूरी दुनिया में कोहराम मचा चुका है। उन्होंने बताया कि उर्दू शायरी करना इतना आसान नहीं है। खास तौर पर कर्बला के शहीदों को याद करते हुए दर्द भर नौहे लिखने के लिए मौला इमाम हुसैन ने जो हिम्मत व हौसला अफजाई किया है, हम लोग उसका कर्ज उतार नहीं सकते। सोशल मीडिया के इस दौर में जिस तरह से आज मेरे नौहे लोगों की जुबान पर पड़ते हुए नजर आ रहे हैं ये इमाम हुसैन को हम लोगों की तरफ से नजराने अकीदत हैं। शायर वॉयस सुल्तानपुरी ने कहा कि वैसे तो वे मुंबई में रहते हैं लेकिन दो महीना 8 दिन अय्यामे अजा में वे देश के अलग-अलग शहरों में जाकर न सिर्फ नौहों को पढ़ते हैं बल्कि उन अंजुमनों को भी नौहा देते हैं जो उनसे खास तौर पर फरमाइश करते हैं। इस मौके पर अंजुमना सज्जादिया के सद्र मीसम, सेक्रेटरी हसन जाहिद खान बाबू, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज, पूर्व सभासद शाहिद मेंहदी, सनवर अहमद राही, आमिर अब्बास, समन खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं की भागीदारी से ही संगठन सशक्त होगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा: अपराजिता सोनकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भाजपा जौनपुर महिला मोर्चा द्वारा जिला स्तर पर आत्मनिर्भर महिला सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा उसी को लेकर भाजपा कार्यालय पर महिला मोर्चा की बैठक आहुत बैठक की गई जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघानिया ने की और मुख्य अतिथि के रूप में काशी क्षेत्र की क्षेत्रीय महामंत्री अपराजिता सोनकर उपस्थित रहीं एवं कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रागिनी सिंह ने की। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री अपराजिता सोनकर ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से ही संगठन सशक्त होगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा मातृशक्ति की राष्ट्र नवनिर्माण में भागीदारी से ही अन्त्योदय की अवधारणा मूर्त रूप लेगी महिलाएं घर की नींव भी हैं और राष्ट्र की धुरी भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को समुचित नेतृत्व मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। संगठन में भी महिलाओं की भागीदारी और जिम्मेदारी बढे इसके लिए बड़ी संख्या में महिला नेतृत्व विकसित करना होगा संगठन में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ने से देश की आधी आबादी तक मोदी सरकार एवं योगी सरकार की योजनाएं तथा संगठन की विचारधारा, कार्यक्रम व अभियान पहुंचाने का माध्यम महिलाएं स्वयं बनेगी। अध्यक्षता करते हुए सुरेन्द्र सिंघानिया ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, शौचालय, हर घर नल से जल, मुद्रा योजना, जनधन जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन को सुगम, सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बनाया है।

प्रधानमंत्री का विकसित भारत विजन 2047 सामूहिक संकल्प का प्रतीक : अवनीश कुमार अवस्थी

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत झ2047, विजन केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। यह संकल्प स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की अग्रणी शक्तियों में स्थापित करेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, नवाबगंज, कानपुर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि वर्ष 2047 तक हमारा देश पूरी तरह से आत्मनिर्भर बने । यहां का हर नागरिक शिक्षित सक्षम और स्वावलंबी बने। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत 2047 को विभिन्न नृत्य और नाटकों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती नीतू सिंह, आदित्य शंकर बाजपेई, कमल किशोर गुप्ता तथा प्रधानाचार्य राकेश राम त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का स्वागत सम्मान किया। नुक्कड़ नाटक अभिनव भारत कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। बच्चों द्वारा बहुत शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के संरक्षक वीरेंद्र जीत सिंह, सहायक प्रबंधक श्रीमती ऊर्षमीना खेर, डॉ कमल किशोर गुप्ता, आदित्य शंकर बाजपेई, प्रांत प्रचारक श्रीरामजी, क्षेत्र प्रचारक अनिलजी, भवानी भीख तिवारी, संजीव पाठक , बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य राकेश राम त्रिपाठी ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दीपावली पर पटरी दुकानदारों को बड़ी राहत, तीन दिन तक नहीं हटेंगी दुकानें : रविन्द्र जायसवाल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपावली पर्व पर छोटे दुकानदारों की जीविका सुरक्षित रहे और शहर की रौनक बनी रहे, इस मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सड़क किनारे पटरियों पर दुकानें लगाने वालों को आगामी तीन दिनों तक किसी भी स्थिति में न हटाया जाए।

मंत्री ने कहा कि दीपावली के दौरान झालर, दीया-बत्ती, साज-सज्जा का सामान और खिलौने बेचने वाले छोटे दुकानदारों की आय इन्हीं दिनों पर निर्भर रहती है। ऐसे में उन्हें हटाना या परेशान करना अनुचित है। गुरुवार को सर्किट हाउस में दीपावली पर्व की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में मंत्री ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग, एसीपी ट्रैफिक और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सहित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुकानदार अपने सामान को व्यवस्थित रखकर बिक्री करें और पुलिस इस दौरान उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न करें। दीपावली केवल रोशनी का नहीं, आत्मनिर्भरता का भी पर्व है। छोटे दुकानदारों की मुस्कान ही इस शहर की असली रौनक है।

प्रमुख मार्गों पर चिन्हित होगी पार्किंग, नहीं होगा चालान

मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि जिन प्रमुख मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, वहां सड़क के दोनों ओर 8 फीट दूरी पर सफेद पट्टी खींचकर पार्किंग स्थान निर्धारित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन पट्टियों के भीतर लोग अपने वाहन पार्क कर सकें, ताकि दुकानों से खरीदारी करने वालों को सुविधा मिले और पुलिस द्वारा अनावश्यक चालान न किया जाए।

त्योहार पर बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए मंत्री ने पुलिस व ट्रैफिक विभाग को रूट डायवर्जन, बैरिकेडिंग और पार्किंग की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया, त्योहार पर न दुकानदारों को कष्ट हो, न आमजन को असुविधा, यही प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने मंत्री को भरोसा दिलाया कि दीपावली के तीन दिनों तक छोटे दुकानदारों को न तो हटाया जाएगा और न ही उन्हें किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होगी।

इतिहास, संस्कृति और दिवाली का संगम: शिवसेना ने किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में छत्रपति के किलों का सम्मान किया जा रहा है। मंत्री प्रताप सरनाईक की पहल पर मीरा-भायंदर में किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मीरा-भायंदर: यूनेस्को ने हाल ही में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारह मंदिरों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। इन किलों को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया है। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण का जश्न मनाने के लिए, मीरा-भायंदर शिवसेना द्वारा मीरा-भायंदर शहर में महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के संरक्षक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक और युव सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश परिषा प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में एक किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। मीरा-भायंदर के इच्छुक प्रतियोगी 24 अक्टूबर, 2025 तक अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं। इतिहास के विशेषज्ञ 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन करेंगे। दिवाली, फराल और रंगोली की तरह, हमारी सांस्कृतिक परंपरा के एक हिस्से के रूप में, नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने घरों के सामने, सोसाइटियों में, बगीचों में या बालकनी में, जहां भी संभव हो, किलों की प्रतिकृतियां बनाएं। यह पहल न केवल इतिहास को जीवंत करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के मन में हमारी गौरवशाली विरासत के प्रति गौरव का भाव भी जगाती है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालों के लिए आकर्षक पुरस्कार आरक्षित किए गए हैं -प्रथम पारितोषिक आरएस 15,000, द्वितीय पारितोषिक आरएस10,000, तृतीय पारितोषिक आरएस 5,00, प्रत्येक प्रतिभागी को 1,000 का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। शिवसेना ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल रायगढ़ राजगढ़, प्रतापगढ़, सिंधुदुर्ग, साल्हेरदुर्ग, खंडेरी, पद्मदुर्ग, जिंजी, पन्हालगढ़, शिवनेरी, विजयदुर्ग और लोहागढ़ किलों की हूबहू प्रतिकृतियां बनाकर उन्हें सजाएं। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम, जो दिवाली की खुशी को बढ़ाता है और शिव छत्रपति को श्रद्धांजलि देता है, मीरा भायंदर कर के लिए एक अनूठा उत्सव होगा। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा निर्मित किले/किले केवल पत्थर की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि हमारे स्वाभिमान के प्रतीक हैं। यूनेस्को द्वारा दी गई वैश्विक मान्यता महाराष्ट्र के लिए गर्व की बात है। किला निर्माण प्रतियोगिता' पहल दिवाली की खुशी में नया उत्साह भरेगी और मीरा-भायंदर शहर के लोगों को उनकी परंपराओं से और अधिक जोड़ेगी। यही इस प्रतियोगिता का प्राथमिक उद्देश्य है।

30 लाख रुपये से वेडिंग पैकेज शुरू

पटना। फाइव स्टार होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट सिलीगुड़ी ने क्षेत्र के प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। विश्वस्तरीय आतिथ्य, मनमोहक स्थल और उत्कृष्ट सेवाओं के साथ यह होटल हर समारोह को यादगार बनाने के लिए समर्पित है। विवाह अनुभव को और शानदार बनाने के उद्देश्य से होटल एक नया वेडिंग पैकेज लॉन्च किया है, जिसे विभिन्न स्वादों और पसंदों को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किया।

विकास परियोजनाओं से प्रभावित लोगों को घरकुल योजना के माध्यम से किराये के आधार पर राहत

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं से प्रभावित निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार ने किराये पर मकान' योजना के तहत मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से मीरा-भायंदर महानगरपालिका को उपलब्ध मकानों के हस्तांतरण को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से नागरिकों के पुनर्वास के लिए दो हजार से ज्यादा सरकारी फ्लैट उपलब्ध होंगे, यह जानकारी परिवहन मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप सरनाईक ने दी। पुनर्वास के लिए सरकार का ऐतिहासिक फैसला: मंत्री सरनाईक ने बताया कि शहरी विकास विभाग के माध्यम से इस संबंध में एक सरकारी निर्णय की घोषणा की गई है। इस निर्णय के अनुसार, यदि मनपा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं से प्रभावित नागरिकों को तत्काल स्थानांतरित कर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की आवश्यकता है, तो एमएमआरडीए की 'किराए के घर योजना' के तहत उपलब्ध घरों का उपयोग किफायती घर योजना में किया जा सकता है। सरकार ने महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण से प्राप्त लगभग 50 प्रतिशत मकानों को इस पुनर्वास के लिए उपयोग करने की अनुमति दे दी है। नगर निगम को आदेश: परियोजना से प्रभावित लोगों की सूची तैयार करें। मंत्री सरनाईक ने मीरा-भायंदर महानगरपालिका को अपने क्षेत्राधिकार में आने वाली सभी परियोजना प्रभावित इमारतों और बस्तियों की सूची तैयार कर सरकार को सौंपने का भी आदेश दिया है। इसके आधार पर, महानगरपालिका को पात्र नागरिकों को पुनर्वास के रूप में आवास उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सिफारिशें करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, यह निर्णय न केवल प्रशासनिक है, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देता है। सरकार ने परियोजना प्रभावित नागरिकों को राहत प्रदान करने का दृढ़ निश्चय किया है। इससे हजारों नागरिकों को स्थायी रूप से रहने का अवसर मिलेगा। मीरा-भायंदर महानगरपालिका की सीमा में सड़क चौड़ीकरण, मेट्रो कार शेड, नालियों का विस्तार, आवासीय परियोजनाएं आदि जैसे विकास कार्यों से कई इमारतें प्रभावित हो रही हैं। इन परियोजनाओं से विस्थापित नागरिकों के लिए वर्तमान में किफायती आवास' योजना के अंतर्गत 1,750 फ्लैट उपलब्ध हैं।